वर्ष 24, अंक 200, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज गुरूवार 29 जनवरी 2025 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

विमान हादसे का शिकार, नहीं रहे - अजित पवार

महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान हादसे में मृत्यु के बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार और बहन सुप्रिया सुले का रो रोकर बुरा हाल है। अजित पवार के चाचा शरद पवार भी बारामती पहुँच चुके हैं। अजित पवार की मृत्यु के कुछ घंटों बाद बारामती पहुंचने पर अत्यंत दुखी एवं गंभीर नजर आ रहे शरद पवार ने पूछा, ह्लयह सब कैसे हुआ?ह्व हम आपको बता दें कि 85 वर्षीय शरद पवार) और उनकी पत्नी प्रतिभा पवार खबर सुनते ही मुंबई से हेलीकॉप्टर से अपने गृहनगर के लिए रवाना हो गए थे। उन्हें लेने आए लोगों से पवार को पूछते हुए सुना गया, ह्लयह कैसे हुआ?ह्व बाद में वह उस अस्पताल के लिए रवाना हो गए जहां अजित पवार का शव रखा गया है। हम आपको बता दें कि अजित पवार का अंतिम संस्कार उनके गृह नगर बारामती में गुरुवार सुबह 11 बजे होगा।

प्रधानमंत्री मोदी का बयान

इस बीच, देशभर से अजित पवार के निधन पर संवेदना जताई जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार से बात की और बारामती विमान दुर्घटना में उनके भतीजे एवं महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर शोक व्यक्त किया। अधिकारियों ने बताया, ह्यह्यप्रधानमंत्री ने शरद पवार से बात की और अजित पवार के निधन पर अपनी संवेदना व्यक्त की।ह्लह्ल बाद में प्रधानमंत्री ने दिल्ली में एनसीसी कैडेटों की परेड को संबोधित करते हुए भी अजित पवार के निधन पर शोक जताया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वह विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की असामयिक मृत्यु से बेहद दुखी और स्तब्ध हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अजित पवार आम लोगों के नेता थे और जमीनी स्तर पर उनकी पकड़ काफी मजबूत थी।

अमित शाह का बयान

वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पवार की मृत्यु न केवल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) परिवार, बल्कि उनके लिए भी एक ह्यह्यव्यक्तिगत क्षतिह्लह्ल है। उन्होंने ह्यएक्सह्ल पर पोस्ट कर कहा, ह्यह्यआज एक दुखद हादसे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं राजग के हमारे वरिष्ठ साथी अजित पवार जी को खो देने की सूचना से मन अत्यंत व्यथित है।ह्लह्ल उन्होंने कहा, ह्यह्यअजित पवार ने बीते साढ़े तीन दशकों में जिस प्रकार महाराष्ट्र के हर वर्ग के कल्याण के लिए खुद को समर्पित किया, उसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। वह जब भी मिलते थे, महाराष्ट्र की जनता के कल्याण संबंधी अनेक विषयों पर लंबी चर्चा करते थे। उनका जाना राजग परिवार के साथ ही मेरे लिए भी व्यक्तिगत क्षति है।ह्लह्ल शाह ने कहा, ह्यह्यमैं पवार परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। शोक की इस घड़ी में पूरा राजग शोक-संतप्त पवार परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। ओम शांति शांति शांति।

देवेंद्र फडणवीस का बयान

वहीं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को विमान दुर्घटना में उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मौत को अविश्वसनीय बताया और कहा कि उन्होंने एक अच्छा मित्र खो दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अजित पवार की मृत्यु से एक ऐसा खालीपन आ गया है जिसे कभी भरा नहीं जा सकेगा। उन्होंने कहा, ह्यह्यउनके साथ बेहद करीब से काम करने के बाद यह विश्वास कर पाना मुश्किल हो रहा है कि वह अब हमारे बीच नहीं रहे।ह्लह्ल पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने पवार को एक जननेता बताया जो राज्य को बहुत अच्छी तरह से जानते थे और महाराष्ट्र के मुद्दों की गहरी समझ रखते थे। उन्होंने कहा कि इस तरह का नेतृत्व उभरने में कई साल लग जाते हैं।

फडणवीस ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को इस त्रासदी के बारे में जानकारी दे दी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने अजित पवार की चचेरी बहन सुप्रिया सुले और उनके बेटे पार्थ पवार से भी बात की है। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में पूरा राज्य पवार परिवार और उनकी पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के सथ खड़ा है।

उद्धव ठाकरे का बयान

वहीं शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अजित पवार की मौत पर शोक जताया और कहा कि राकांपा प्रमुख ने भले ही राजनीति में अलग रास्ता चुन लिया था, लेकिन उन्होंने आपसी रिश्तों को कभी खराब नहीं होने दिया। उद्धव ने ह्यएक्सह्ल पर एक पोस्ट में कहा कि पवार की मौत से उन्होंने एक दृढ़ नेता और उत्कृष्ट पूर्व कैबिनेट सहयोगी खो दिया है। उन्होंने लिखा कि वित्त मंत्री के रूप में पवार एक बेहद अनुशासित नेता थे, जिनकी अपने विभाग पर मजबूत पकड़ थी। हम आपको याद दिला दें कि पवार ने महाराष्ट्र में 2019 से 2022 तक उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली तत्कालीन महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार में उपमुख्यमंत्री के रूप में सेवाएं दी थीं। उद्धव ठाकरे ने कहा, ह्लसहयोगी होने के नाते हमारे बीच एक खास रिश्ता बन गया था। अजित पवार खुले दिल के थे।

वह बेबाक राय रखते थे। वह किसी से लंबे समय तक बैर नहीं रखते थे। अजित पवार ने भले ही राजनीति में अलग राह चुनी, लेकिन उन्होंने हमारे रिश्ते को टूटने नहीं दिया।ह्व उद्धव ने ठाकरे परिवार और शिवसेना (उबाठा) की ओर से अजित पवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि अजित पवार एक ऐसे नेता के रूप में जाने जाते थे, जो अपने पार्टी कार्यकताओं को महत्व देते थे और वह वास्तव में एक ह्यदादाह्ल थे।

आदित्य ठाकरे का बयान

उद्धव के बेटे और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने पवार की मौत को स्तब्ध करने वाली घटना बताया। उन्होंने कहा, ह्लमेरे पास अपनी भावनाएं जाहिर करने के लिए शब्द नहीं हैं।ह्व आदित्य ने कहा, ह्लमुझे अजित पवार के साथ पांच-छह साल काम करने का मौका मिला, पहले सरकार में और फिर विपक्ष में।

आज लड़ाई Cloud और Code पर भी होती है- मोदी

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के कारियाप्पा परेड ग्राउंड में आयोजित वार्षिक एनसीसी पीएम रैली में शामिल हुए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी उपस्थित थे। एनसीसी पीएम रैली के साथ ही माहभर चलने वाले एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर 2026 का समापन हुआ,

जिसमें देशभर से 2,406 एनसीसी कैडेटों ने भाग लिया, जिनमें 898 महिला कैडेट भी शामिल थीं। मोदी ने इस दौरान कहा कि NCC एक ऐसा संगठन है, एक ऐसा आंदोलन है, जो भारत की युवा-शक्ति को आत्मविश्वासी बनाता है, अनुशासित बनाता है, संवेशनशील बनाता है औ? राष्ट्र के प्रति संमर्पित नागरिक बनाता है। इस बार भी यहां बहुत बड़ी संख्या में गर्ल्स कैडेट्स आई हैं। मैं उनका

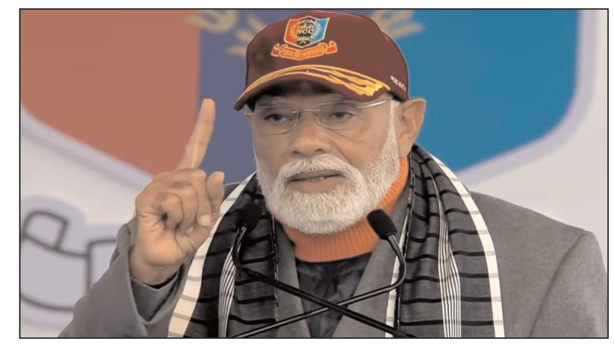

विशेष रुप से अभिनंदन करता हूं। मोदी ने कहा कि बीते वर्षों में ठउउ कैडेट्स की संख्या 14 लाख से बढ़कर 20 लाख हो चुकी है। उन्होंने कहा कि ठउउ एक ऐसा संगठन है, एक ऐसा आंदोलन है, जो भारत की युवा-शक्ति को आत्मविश्वासी बनाता है, अनुशासित बनाता है, संवेशनशील बनाता है औ? राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक बनाता है। इस बार भी यहां बहुत बड़ी संख्या में गर्ल्स कैडेट्स आई हैं। मैं उनका विशेष रुप से अभिनंदन करता हूं। बीते वर्षों में ठउउ कैडेट्स की संख्या 14 लाख से बढ़कर 20 लाख हो चुकी है।

प्रधानमंत्री ने याद किया कि मैंने लाल किले से कहा था- यही समय है, सही समय है। हमारे देश के युवाओं के लिए आज का ये समय सबसे ज्यादा अवसरों का समय है।

यूजीसी विधेयक 2026 के विरोध में जोरदार प्रदर्शन

- व्यापारियों, युवाओं और नागरिकों ने निकाला जुलूस
- विधेयक को बताया भेदभावपूर्ण और विभाजनकारी
- मेधावी विद्यार्थियों के भविष्य पर खतरे की आशंका

अखंड भारत समाचार

प्रयागराज। कौंधियारा बाजार में बुधवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए शैक्षणिक विधेयक यूजीसी विधेयक 2026 के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया गया। स्थानीय व्यापारियों, युवाओं और नागरिकों ने संयुक्त रूप से बड़ा जुलूस निकालते हुए विधेयक को विभाजनकारी बताते हुए सरकार से इसे तत्काल वापस लेने की मांग की। प्रदर्शन का नेतृत्व अधिवक्ता कृष्णा नन्द शुक्ला, अधिवक्ता पंकज शुक्ला, अखिलेश कुमार मिश्रा, अमित शुक्ला, रत्नेश, इंद्रमणि, विकास मिश्रा, विमलेश शुक्ला एवं विद्याकांत तिवारी सहित अन्य सामाजिक कार्यकताओं ने किया। जुलूस कौंधियारा बाजार के प्रमुख मार्गों से होते हुए आगे बढ़ा, जहां प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर सरकार विरोधी नारे लगाए।

इस अवसर पर अधिवक्ता कृष्णा नन्द शुक्ला ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता नियमावलीझ2026 के नाम से लागू किया गया यह नया यूजीसी विधेयक सामान्य वर्ग के छात्रों के साथ भेदभाव पर आधारित है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधेयक में झूठी शिकायतों के मामलों में सुरक्षा के कोई ठोस प्रावधान नहीं किए गए हैं, जिससे सामाजिक तनाव और विभाजन बढ़ सकता है। यह कानून एक वर्ग को पहले से ही दोषी मानकर कार्रवाई करने की मानसिकता को बढ़ावा देता है, जिससे मेधावी विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित होगा।

प्रदर्शनकारियों ने काला कानून वापस लो और यूजीसी विधेयक वापस करो जैसे नारे लगाते हुए यूजीसी विधेयक की प्रतियां जलाकर विरोध दर्ज कराया। छात्रों ने कहा कि यह विधेयक शिक्षा के मूल सिद्धांतों के विपरीत है और इससे शैक्षणिक वातावरण में असंतुलन उत्पन्न होगा। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि विधेयक वापस नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

इच्छापूर्ति हनुमान मंदिर भंडा का पांचवां वार्षिकोत्सव संपन्न

जंघई। इच्छापूर्ति महावीर हनुमान मंदिर भंडा के पांचवें वार्षिकोत्सव के अवसर पर गांव के सहयोग से भव्य तरीके से पूजन अर्चन, सुंदर कांड, आरती प्रसाद एवं भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें भक्तों द्वारा अपनी मनोकामना पूर्ति हेतु बजरंगबली की पूजा विधि विधान से की गई जिसमें काफी संख्या में भक्तगण मौजूद रहे। इस अवसर पर परमेंद्र बहादुर सिंह, हुबलाल यादव, किशन दुबे, कुंदन सिंह, धनंजय सिंह, खरबूज चौहान, बंटी सिंह, लल्लू दुबे मंगला सिंह, सचिन सिंह, पप्पू, अभिषेक प्रजापति, गिरजा यादव, राकेश सिंह एवं अन्य ग्रामवासियों के सहयोग से यह धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ।

गणतंत्र दिवस के दिन बच्चों के दिलों में आजादी आज भी नहीं। हौसले को देनी होंगी दाद प्राथमिक विद्यालय नौड़ीहा तरहार

विजली विभाग की लापरवाही जिम्मेदार कौन?

दीपक पाण्डेय

लालापुर। क्षेत्र के बारा तहसील के अंतर्गत सरकारी स्कूल में विजली विभाग का एक लापरवाही करने का मामला प्रकाश में आया है उच्च प्राथमिक विद्यालय नौडीहा तरहार में हाई टेंशन तार ० ट्रांसफार्मर के नीचे राष्ट्रगान करते बच्चे को देख कर विजली विभाग के कोई भी अधिकारी को तनिक भी ये नहीं लगता की कब अनहोनी हो जाए। कभी भी कोई अनहोनी हो सकती है, सहायक अध्यापक नें कहाँ जिम्मेदार कौन होगा?

विजली विभाग को ग्राम पंचायत प्रधान द्वारा लेटर पैड के माध्यम से तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस के दिन तहसील प्रभारी बारा को बिजली विभाग के लापरवाही को लेकर एक पत्र लिखा गया जिसमें यह कहा गया प्राथमिक विद्यालय नौडीहा तरहार के स्कूल प्रांगण में कई वर्षों से बिजली का पोल और ट्रांसफार्मर बीचों बीच ग्राउंड में लगा हुआ है बच्चें खेलनें है और सर्दियों के समय धुप लेने से डरते है कही विजली विभाग के 11000हजार सेअनहोनी न हो ये डर लगा रहता है। ये भी डर टीचरों को भी है कभी भी बच्चों के साथ या हम टीचरों के साथ भी अनहोनी हो सकती है विद्यालय के शिक्षा विभाग के निर्देशक ने भी पत्र लिखा ऊर्जा विभाग के अध्यक्ष को। ऊर्जा विभाग के अध्यक्ष पत्र जारी करते हुआ कहाँ की सभी माध्यमिक विद्यालयों के भवनो के ऊपर से या स्कूल के अंदर विजली विभाग के जहाँ भी 11000हजार खुले तार और ट्रांसफार्मर लगे हुए उसे हटवाने का जल्द प्रयास करें। विजली विभाग के अध्यक्ष आशीष गोयल आई ए एस नें अपर मुख्य सचिव प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश और सभी जिलों के अधीक्षण अभियंता को आदेश पत्र जारी हुआ की विभाग से बजट हो जायेगा जहाँ के भी विद्यालय में 11000हजार के पोल तार ट्रांसफार्मर लगे हुए हैं उन्हें जल्द से जल्द शिफ्ट कर दिया जाए जिससे बच्चों के साथ अनहोनी ना हो इस कार्य को तत्कालीन संज्ञान में लेते हुए 11000 के तार व पोल आदि विद्युत उपकरण की जो जरूर समझ में आए विद्युत विभाग के भंडार से लेकर कर को कार्य सुनिश्चित करें आदि आवश्यक कार्यों के भी कड़े निर्देश दिए और लेटर में 75 जिलों के नाम भी दिए है जिसमें प्रयागराज भी है प्रयागराज को कई लाख रुपए का बजट का दिया गया है उसके बावजूद भी नौडीहा तरहार में विजली विभाग के अधिकारी कार्य नहीं किए जस के विजली का पोल और ट्रांसफार्मर लगा हुआ है जो घातक है जिसका डर हमेसा लगा रहता है। जो कभी भी बच्चों और टीचरों के साथ घटना हो सकती है जिसको लेकर लालापुर पावर हॉउस अंतर्गत उपखण्ड शंकरगढ़ एसडीओ जांच कर रिपोर्ट लगाने का आदेश भी मिला एसडीओ नें जांच कर रिपोर्ट सौंप दी विभागीय कार्रवाई में लगभग तीन महीने लग गया है लेकिन अभी तक लापरवाही देखी जा रही है इसका जीता जगता उदाहरण गणतंत्र दिवस के दिन देखने को मिला की बच्चे इस 11000 के नीचे राष्ट्रगान डरे और सहमे के बीच जनगडमान आदिनायक कहे उनको यह डर लगा हुआ था की यह बिजली का तार कहीं अचानक गिर ना जाए लेकिन बच्चों बच्चों का हौसला इतना बुलंद था की 11000 के तार को कुछ नहीं समझे लेकिन बिजली विभाग के अफसरों और अधिकारियों को तनिक भी भाय नहीं है इन बच्चों के साथ कही अनहोनी न हो ये मेरे विभाग की लापरवाही से क्या हो सकता है विधुत विभाग के अध्यक्ष के आदेश के बावजूद नौडीहा तरहार के स्कूल प्रांगण बच्चों को डर लगा रहता है की कभी भी हादसा हो सकता है।

जेई नें बताया की अभी तक ठीकेदार को टेंडर नहीं मिला था इस वजह से कार्य नहीं हुआ लेकिन अब जल्द ही कार्य किया जायेगा।

नैनी एडीए में श्री सद्गुरु साँईनाथ मन्दिर में 19 वाँ भव्य भंडारे का आयोजन हुआ

नैनी। नैनी क्षेत्र के एडीए कॉलोनी में श्री सद्गुरु साँईनाथ मन्दिर में 19 वाँ वार्षिक महोत्सव एवं भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमे आने जाने वाले हजारो श्रदालुओं को भंडारे का प्रसाद वितरण किया गया। वही हजारो की संख्या मे श्रदालुओं ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर सुनील जायसवाल, कान्हा आद्धिक श्रीवास्तव, योगेंन्द प्रसाद श्रीवास्तव, अशवनी कुमार श्रीवास्तव आदि लोग उपस्थित रहे।

मांडा में 1922 एसआईआर नोटिस जारी 384 सत्यापित कर फॉर्म जम

पूर्व ब्लॉक प्रमुख अशोक सिंह ने मतदाताओं से दस्तावेज जमा करने की अपील की

अखंड भारत संदेश

मांडा। विकास खंड मांडा मुख्यालय पर 28 जनवरी को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित दस्तावेजों को जमा करने के लिए मतदाताओं की भीड़ उमड़ पड़ी। खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) मांडा अनीस अहमद ने 854 मतदाताओं को नोटिस जारी किए हैं, जबकि सहायक विकास अधिकारी (सांख्यिकी) आर्यन तिवारी और संदीप कुमार ने 1068 मतदाताओं को नोटिस दिए हैं। कुल मिलाकर 1922 मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं।

इन नोटिसों के जवाब में, मतदाताओं को अपनी जन्मतिथि और जन्मस्थान को प्रमाणित करने वाले आवश्यक अभिलेख उपलब्ध कराने होंगे। बुधवार दोपहर सवा तीन बजे तक कुल 384 सत्यापित नोटिस फॉर्म जमा किए जा चुके थे, जिनमें से 160 फॉर्म उसी दिन सबमिट हुए।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख मांडा अशोक सिंह ने ब्लॉक मुख्यालय पहुंचकर मतदाताओं से एसआईआर प्रक्रिया पर चर्चा की। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपील की कि वे इन नोटिसों से घबराएं नहीं, बल्कि अपने दस्तावेजों के साथ एसआईआर शिविर में पहुंचें और अपनी त्रुटियों को सही करवाएं। उन्होंने सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ उठाने और अपने मताधिकार का प्रयोग करने पर भी जोर दिया।

दस्तावेजों की आवश्यकता जन्मतिथि की श्रेणी के अनुसार भिन्न होती है। यदि किसी व्यक्ति का जन्म भारत में 01 जुलाई 1987 से पहले हुआ है, तो उन्हें अपनी जन्मतिथि और जन्मस्थान दशार्ने वाला कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा।यदि जन्म भारत में 01 जुलाई 1987 और 02 दिसंबर 2004 के बीच हुआ है, तो स्वयं के लिए जन्मतिथि और जन्मस्थान को प्रमाणित करने वाला कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा। इसके अतिरिक्त, पिता या माता के लिए भी जन्मतिथि और जन्मस्थान को प्रमाणित करने वाला कोई दस्तावेज उपलब्ध कराना अनिवार्य है।

दो दिसंबर 2004 के बाद भारत में जन्मे व्यक्तियों को स्वयं के लिए जन्मतिथि और जन्मस्थान को प्रमाणित करने वाला दस्तावेज देना होगा। साथ ही, पिता और माता दोनों के लिए भी जन्मतिथि और जन्मस्थान को प्रमाणित करने वाला कोई भी दस्तावेज उपलब्ध कराना होगा। यदि अभिभावकों में से कोई भारतीय नहीं है, तो जन्म के समय उनके वैध पासपोर्ट और वीजा की एक प्रति प्रस्तुत करनी होगी।

भारत के बाहर जन्मे व्यक्तियों को भारतीय मिशन द्वारा जारी जन्म पंजीकरण का प्रमाण संलग्न करना होगा। पंजीकरण या देशीयकरण द्वारा भारतीय नागरिकता प्राप्त करने वालों को नागरिकता पंजीकरण प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा। स्वयं, पिता और माता के लिए स्व-प्रमाणित दस्तावेज जमा किए जाने हैं। दस्तावेजों की एक सांकेतिक सूची में केंद्र, राज्य सरकार या उपक्रम के नियमित कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को जारी पहचान पत्र, पेंशन भुगतान आदेश, 01 जुलाई 1987 से पहले जारी कोई पहचान पत्र, प्रमाण पत्र या अभिलेख, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट और मान्यता प्राप्त बोर्डों या विश्वविद्यालयों द्वारा जारी मैट्रिकुलेशन व शैक्षिक प्रमाण पत्र शामिल हैं।

न्यूज झरोखा

गरीबों एवं निराश्रितों की सेवा करना ईश्वर की पूजा के समान होता है : बिरु सिंह

करछना। विकास खंड करछना के ग्राम पंचायत धरवारा के पंचायत भवन पर ग्राम प्रधान बन्नू लाल निषाद व ग्राम प्रधान प्रतिनिधि वीरू सिंह की ओर से ठंड के मद्देनजर निराश्रित व गरीब सहित जरूरतमंद कुल 100 लोगों में कंबल भी वितरित किया गया। और कंबल पाकर के लाभार्थियों के चेहरे पर मुस्कान रही। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि व समाजसेवी वीरू सिंह ने लोगों में कंबल वितरित करते हुए कहा कि गरीबों , निराश्रितों व असहायों की मदद व सेवा करना ईश्वर की पूजा के बराबर होता है।

जंघई के समाजसेवी ने गंगा भक्तों को गंगा स्नान कराया

जंघई। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी समाजसेवा में हर क्षण तत्पर रहने वाले भोगीपुर सेमरी जंघई गांव निवासी दिनेश लालचंद ऊमर वैश्य द्वारा 27 जनवरी को बस द्वारा अपने गांव के बुजुर्गों एवं युवाओं को माघ मेला प्रयागराज में ले जाकर गंगा स्नान करवाया तथा भंडारे का आयोजन करके लोगों को भोजन प्रसाद ग्रहण कराया। विगत 10 वर्षों से यह स्नान का क्रम जारी है दिनेश उमरवैश्य द्वारा भोगीपुर जंघई मे कई ऐसे सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रम की शुरूआत की जा चुकी है जिसे गाँव और क्षेत्र के लोग मिलकर आगे बढ़ाते है इसी कड़ी मे गांव वालों को गंगा स्नान करवाया गया बड़े बुजुर्गो की देख रेख के लिए गांव के युवा भी जाते है। यात्रा में प्रमोद गुप्ता प्रधान, अशोक तिवारी, गणेश उमरवैश्य, कन्हैया उमरवैश्य, विजय मिश्रा, रोहित ब्राह्मण, प्रवीण तिवारी जेई सिंचाई विभाग, प्रत्युश तिवारी, धर्मेंद्र शर्मा, शिवम तिवारी, शुभम तिवारी, नीरज तिवारी, आदित्य तिवारी, सुमित तिवारी, सचिन तिवारी रोहित गुप्ता सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

बाइक चोरी का मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। होलागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम समनापुर खरगापुर निवासी अरूणेन्द्र कुमार ओझा पुत्र अनिल कुमार ओझा का कहना है कि वह अपनी बाइक से कंचनपुर जा रहे थे। रास्ते में मोबाइल गिर पड़ा।वह बाइक खडी करके मोबाइल को ढूंढने लगे।जब बाइक के पास आए तो बाइक नदारद थी। अरुणेंद्र कुमार ने मऊआइमा थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

रोकड़ी में खुली अनुपम पैथोलॉजी, आधुनिक जांच सुविधा का मिलेगा लाभ

प्रयागराज। करछना क्षेत्र के रोकड़ी स्थित अनुपम पैथोलॉजी का शुभारंभ बुधवार को विधिवत रूप से किया गया। उद्घाटन अनुराग उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रबंधक सर्वजीत पटेल ने फीता काटकर किया। शुभारंभ अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही, जिससे कार्यक्रम स्थल पर उत्साह का माहौल बना रहा। पैथोलॉजी के संचालक डॉक्टर उमाकांत पटेल ने बताया कि अनुपम पैथोलॉजी के माध्यम से क्षेत्रवासियों को आधुनिक तकनीक से युक्त, सटीक एवं समयबद्ध जांच सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि मरीजों को विश्वसनीय रिपोर्ट देकर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना संस्थान का उद्देश्य है। उद्घाटन समारोह में अधिवक्ता जितेंद्र कुमार, आरी ग्राम प्रधान अशोक कुमार, सूरज कुमार पटेल, धर्मेंद्र कुमार पटेल, शिवम पटेल, आनंद कुमार कोटर सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

क्यूब रूट्स फाउंडेशन के सौजन्य से गरीब बच्चियों को वितरित की गई साइकिल

सोरांव। सामुदायिक विकास कार्यक्रम ह्यसर्वांगीण अभियानह्न के तहत भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की प्रेरणा से क्यूब रूट्स फाउंडेशन के सौजन्य से बुधवार को सरकारी उच्च विद्यालय, हंडिया, प्रयागराज की आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की छात्राओं को 25 साइकिलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, परियोजना कार्यान्वयन इकाई (पीआईयू), प्रयागराज के परियोजना निदेशक एस.के.सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार की पहल अत्यंत सराहनीय है। इस अवसर पर कोखराजझहंडिया एक्सप्रेसवे प्राइवेट लिमिटेड के परियोजना प्रमुख उदयभान सिंह, वरिष्ठ प्लाजा प्रबंधक (हंडिया) शशि भूषण द्विवेदी एवं वरिष्ठ प्रबंधक (सड़क सुरक्षा) अभिषेक कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं एवं उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट के प्रयोग, सुरक्षित गति तथा यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की तरफ से प्रधानाचार्य प्रज्ञा चौहान ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से गरीब बच्चियों को बहुत सहयोग मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकगण, छात्राएं, अभिभावक एवं स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस पहल का मुख्य उद्देश्य छात्राओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है।

आंगनबाड़ी और बालवाटिकाएं निपुण भारत की नींव : इंद्रनाथ

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। राज्य परियोजना कार्यालय के निदेर्शानुसार विकास खंड कौंधियारा में बुधवार को ह्यहमारा आंगन हमारे बच्चेह्न उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जनसमुदाय को पूर्व प्राथमिक शिक्षा के महत्व, निपुण भारत अभियान तथा 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के सर्वांगीण विकास के प्रति जागरूक करना रहा।

विकासखंड सभागार में बुधवार को हमारा आंगन हमारे बच्चेह्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन नीरज कुमार मिश्र एवं बद्री प्रसाद मिश्र ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत शिक्षिका रश्मि सिंह एवं प्रिया द्विवेदी ने सरस्वती वंदना से किया। इसके पश्चात अजमतुन निशा द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। वहीं नीतू सेंगर एवं वंदना श्रीवास्तव ने टीएलएम का प्रभावी प्रस्तुतीकरण किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख संघ के जिलाध्यक्ष इंद्रनाथ मिश्र रहे। उन्होंने कहा कि पूर्व प्राथमिक शिक्षा की मजबूत नींव ही बच्चों को आगे की शिक्षा में सफल बनाती है। आंगनबाड़ी केंद्र और बालवाटिकाएं निपुण भारत अभियान की आधारशिला हैं।

खंड शिक्षाधिकारी कौंधियारा अरुण अवस्थी ने कहा कि प्री-प्राइमरी स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से बच्चों में बुनियादी साक्षरता, संख्यात्मक ज्ञान के साथ-साथ आत्मविश्वास का भी विकास होता है।

कार्यक्रम में एडीओ पंचायत प्रेमचन्द्र, उमेश वर्मा, विजय शुक्ल, अनिमेष श्रीवास्तव, हेमन्त त्रिपाठी, दुर्गेश मिश्र, एआरपी अनित मिश्र, एआरपी सरोज सतीश, एआरपी नीरज मिश्र, एआरपी रामबाबू पटेल, राहुल तिवारी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विश्व ब्राह्मण कल्याण परिषद ने मिर्जापुर की विप्र बहन के विवाह हेतु दी 1.01 लाख की सहायता

प्रयागराज। मिर्जापुर जनपद की एक विप्र बहन के विवाह में उत्पन्न आर्थिक संकट के समाधान हेतु विश्व ब्राह्मण कल्याण परिषद द्वारा मानवीय पहल करते हुए आर्थिक सहायता प्रदान की गई। परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष (युवा मोर्चा) पं. शिवांग पाण्डेय के नेतृत्व में बहन को एक लाख एक हजार की सहायता राशि उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर पं. शिवांग पाण्डेय ने कहा कि विश्व ब्राह्मण कल्याण परिषद की स्थापना कलराज मिश्रा (पूर्व राज्यपाल–राजस्थान एवं हिमाचल प्रदेश) की दूरदर्शी सोच का परिणाम है, जिसका उद्देश्य समाज के जरूरतमंद वर्ग तक समयबद्ध और प्रभावी सहायता पहुंचाना है। परिषद उसी संकल्प के साथ लगातार सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारी को वे पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाते रहेंगे तथा परिषद को सकारात्मक और जनकल्याणकारी दिशा देने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे।

नागरिक पीजी कॉलेज जंघई में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया

अखंड भारत संदेश

जंघई। नागरिक पीजी कॉलेज जंघई में 77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्राचार्य डॉ नीरज ने ध्वजारोहण किया तत्पश्चात राष्ट्रगान हुआ, राष्ट्रगान के पश्चात प्राचार्य एवं उपस्थित शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं छात्र, छात्राओं ने भारत माता की जयकारे के साथ वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पवित्र तिरंगे को सलामी दी। ध्वजारोहण के पश्चात नागरिक शिक्षण संस्थान वाटिका में संचालित नागरिक इंटर एवं पीजी कॉलेज जंघई का संयुक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि प्रबंधक पंडित परशुराम त्रिपाठी एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इंटर एवं पीजी कॉलेज के छात्र छात्राओं ने एक से बढ़कर एक देश भक्ति गीत एवं नृत्य प्रस्तुत करके उपस्थित लोगों को भाव-विभोर कर दिया। इसके बाद छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें देशभक्ति गीत, नृत्य और अन्य मंचीय प्रस्तुतियां शामिल थीं। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से राष्ट्रप्रेम, संविधान और एकता का संदेश दिया गया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि पंडित परशुराम त्रिपाठी ने कहा कि छात्र, छात्राएं देश का भविष्य हैं और शिक्षा के माध्यम से ही सशक्त भारत का निर्माण संभव है। उन्होंने इंटर एवं पीजी कॉलेज द्वारा दी जा रही शैक्षिक एवं संस्कारगत शिक्षा की सराहना भी की वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शहीदों के त्याग को अविस्मरणीय बताया। प्राचार्य डॉ नीरज ने कहा कि वीर शहीदों का जीवन संघर्ष हमें सदैव प्रेरणा देता रहेगा आज हम गणतंत्र दिवस मना रहे हैं तो इसके पीछे वीर जवानों का बलिदान ही है मैं उन वीर जवानों को नमन और श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। प्रधानाचार्य प्रभाकर मिश्रा ने कहा कि गणतंत्र दिवस भारतवासियों के लिए गौरवशाली दिन है जिसे सभी भारतीय धूमधाम से मनाते हैं कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर रवि मिश्र ने किया। इस अवसर पर प्रबंध समिति के पदाधिकारियों में भोलानाथ त्रिपाठी, राम भास्कर त्रिपाठी, कपिल देव तिवारी, भगौती प्रसाद यादव एवं नागरिक पीजी एवं इंटर कॉलेज के समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी तथा छात्र छात्राएं गणतंत्र दिवस सांस्कृतिक कार्यक्रम में मौजूद रहे।

प्रयागराज स्टेशन पर वन्यजीव तस्करी का भंडाफोड़

जोधपुर-हावड़ा एक्सप्रेस से 600 दुर्लभ कछुए बरामद

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रयागराज रेलवे स्टेशन पर बुधवार को आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने वन्यजीव तस्करी के एक बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का खुलासा किया। जोधपुर-हावड़ा एक्सप्रेस से 600 दुर्लभ प्रजाति के कछुए बरामद किए गए हैं, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपये आंकी जा रही है। कार्रवाई के दौरान सुल्तानपुर जिले के पांच तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार मीणा और जीआरपी प्रभारी निरीक्षक अखलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में स्टेशन पर सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि जोधपुर-हावड़ा एक्सप्रेस में प्रतिबंधित वन्यजीवों की तस्करी की जा रही है।

ट्रेन के प्लेटफॉर्म नंबर 4/5 पर पहुंचते ही पुलिस टीम ने जनरल कोच के पास रखे कुछ संदिग्ध बैग और बोरियों पर ध्यान दिया। बोरियों से हलचल और आवाजें आने पर शक हुआ। जब बोरियों को खोलकर देखा गया तो उनमें बड़ी संख्या में जीवित कछुए पाए गए। गिनती करने पर इनकी संख्या 600 से अधिक निकली।

पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर मौके से पांच तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अरुण कुमार, अनीश कुमार, रवि कुमार, जितेंद्र और अमीर खान के रूप में हुई है। सभी आरोपी सुल्तानपुर जिले के हनुमानगंज क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे फतेहपुर जिले की नदियों और तालाबों से कछुओं को पकड़कर पश्चिम बंगाल के हावड़ा ले जा रहे थे, जहां से इन्हें अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊंचे दामों पर बेचा जाना था।

मामले की सूचना मिलने पर वन विभाग को मौके पर बुलाया गया। डिप्टी रेंजर रविंद्र कुमार और वन दरोगा शिवदत्त सिंह की मौजूदगी में कछुओं की गिनती और स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। बरामद कछुओं और आरोपियों को आगे की विधिक कार्रवाई के लिए वन विभाग के सुपुर्द कर दिया गया है। आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। संयुक्त जांच टीम का कहना है कि तस्करी नेटवर्क की गहराई से जांच की जा रही है और इस मामले में आगे और गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं।

प्रतापपुर के युवक ने प्रधानमंत्री को लिखा खून से पत्र

जंघई। केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए यूजीसी कानून के विरोध में प्रयागराज जनपद के प्रतापपुर क्षेत्र युवाओं का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी क्रम में नासिर पट्टी प्रतापपुर विधानसभा के निवासी योगेश ठाकुर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने खून से पत्र लिखकर सवर्ण विरोधी काले कानून को तत्काल वापस लेने की मांग की है। योगेश ठाकुर ने कहा है कि नया यूजीसी कानून युवाओं के शैक्षणिक अधिकारों और रोजगार की संभावनाओं को प्रभावित करेगा उनका आरोप है कि यह काला कानून छात्रों के हितों के खिलाफ है और इससे उच्च शिक्षा व्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ेगा इसी कारण उन्होंने इसे काला कानून करार दिया है। उन्होंने मोदी सरकार के फैसले के खिलाफ आवाज बुलंद की और चेतावनी दी कि जब तक कानून वापस नहीं लिया जाएगा वह चुप नहीं बैठेंगे। कहा कि यह खून से लिखा पत्र केवल एक विरोध नहीं, बल्कि देश के भविष्य के लिए चेतावनी है हमारा रक्त युवाओं के हक की लड़ाई का प्रतीक है। यदि सरकार हमारी जायज मांगों को नजरअंदाज करेगी, तो हम और भी व्यापक आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

पचखरा गांव में नौ दिन तक बहेगी राम नाम की रसधार

बारा प्रयागराज। बारा क्षेत्र के ग्राम पंचायत पचखरा में आज गुरुवार से नौ दिवसीय श्री राम चरित मानस नवान्हपारायण पाठ एवं संगीतमयी श्री राम कथा शुरू हो रहा है। मुख्य आयोजक विश्वनाथ प्रताप सिंह ने बताया कि कथा नौ दिनों तक नियमित शाम तीन बजे से शुरू हो कर साढ़े पांच बजे तक चलेगी। मुख्य कथावाचक पं राम अचल शुक्ला जी (प्रयागराज),पं श्याम सुंदर पाठक जी (हमीरपुर), साध्वी लीला भारती जी दतिया हैं। ग्राम वासियों ने क्षेत्र के मानस प्रेमियों से समय पर पहुंच कर श्री राम कथा का श्रवण करने की अपील किया है।

न्यूज झरोखा

नैनी में पत्रकारों व व्यापारियों ने मृतक आयुष को दी श्रद्धांजलि, सरकार से सख्त कार्रवाई व मुआवजे की मांग

प्रयागराज। नैनी क्षेत्र के मेवालाल की बगिया तिराहे पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। चित्रकूट के बरगढ़ निवासी 13 वर्षीय आयुष केसरवानी पुत्र अशोक केसरवानी की निर्मम हत्या के विरोध में नैनी प्रेस क्लब एवं नैनी व्यापार मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पत्रकारों, व्यापारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर घटना की कड़ी निंदा की। श्रद्धांजलि सभा का आयोजन नैनी प्रेस क्लब के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मिथिलेश त्रिपाठी के नेतृत्व में किया गया। उपस्थित लोगों ने मोमबत्तियां जलाकर दिवंगत बालक को श्रद्धांजलि अर्पित की और दो मिनट का मौन रखकर उसकी आत्मा की शांति की प्रार्थना की। इस अवसर पर नैनी व्यापार मंडल के अध्यक्ष व पार्षद राकेश जायसवाल ने कहा कि प्रदेश में इस तरह की जघन्य घटनाएं समाज को झकझोर रही हैं। सरकार को ऐसे अपराधों पर तत्काल और कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। व्यापारी नेता सुभाष चंद्र केसरवानी ने आयुष की हत्या को मानवता को शर्मसार करने वाला कृत्य बताते हुए दोषियों को कठोरतम सजा देने की मांग की। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नयन कुमार कुशवाहा ने पीड़ित परिवार को 25 लाख रुपये का मुआवजा तथा एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिए जाने की मांग की। नैनी प्रेस क्लब के संरक्षक सूबेदार सिंह ने घटना को अत्यंत निंदनीय बताते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया। नैनी प्रेस क्लब की उपाध्यक्ष प्रिया मिश्रा ने कहा कि ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकसंतप्त परिवार को इस असहनीय पीड़ा को सहन करने की शक्ति दे। सभा में नैनी व्यापार मंडल एवं प्रेस क्लब के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में पत्रकार, व्यापारी और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की। श्रद्धांजलि सभा में प्रमुख रूप से पार्षद राकेश जायसवाल, व्यापारी नेता सुभाष चंद्र केसरवानी, कांग्रेस उपाध्याय नयन कुमार कुशवाहा, कांग्रेस महासचिव राकेश कुमार श्रीवास्तव, देवाशीष श्रीवास्तव जिलामंत्री नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट, विनोद जैकब अंजुम नाज, व्यापारी नेता मोहम्मद नाजिम, मिथिलेश त्रिपाठी, प्रिया मिश्रा, अजय सिंह, दिवाकर पाल, इशरत सिद्दीकी, मुकेश विश्वकर्मा, अनिल प्रेमी, सिमरन बेदी, राहुल जायसवाल, अमित तिवारी सहित अनेक लोग।

मांडा ब्लॉक सभागार में कोटेदारो, सचिवों व समूह की महिलाओं के साथ बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

मांडा। ब्लॉक सभागार में बुधवार को कोटेदारों, पंचायत सचिवों और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की एक संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बीडीओ मांडा अनीश अहमद ने की, जिसमें समूह की महिलाओं को सरकारी योजनाओं से जोड़कर उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने पर जोर दिया गया।

बीडीओ अनीश अहमद ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राशन कार्ड धारकों को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने के लिए महिलाओं को आगे आना चाहिए, ताकि वे सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें।

अहमद ने प्रत्येक समूह की महिलाओं से कम से कम पांच-पांच नई महिलाओं को समूह से जोड़ने की अपील की। उन्होंने समूह संचालन में नियमित बचत, पारदर्शी लेन-देन और अनुशासन बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

बैठक में राशन वितरण व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए कोटेदारों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। वहीं, पंचायत सचिवों को सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए।

इस दौरान स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने अपनी समस्याएं और सुझाव अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किए, जिस पर बीडीओ ने शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी से आपसी समन्वय के साथ विकास कार्यों को आगे बढ़ाने की अपील की गई। मौके पर ग्राम पंचायत अधिकारी संजीव कुमार, संजय यादव, राम सकल, तेज बहादुर नवनीत कुमार, आईएसबी सुरेश कुमार, बीएमएम प्रतीक पांडेय, बीएमएम रेनू देवी और बीएमएम विवेक तिवारी सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

दुखी मन से माघ मेला छोड़कर रवाना हुए शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, बोले ऐसी कल्पना कभी नहीं की थी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रयागराज में चल रहे माघ मेले से शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने दुखी मन से विदा लेने की घोषणा कर दी है। बुधवार सुबह आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि वह आस्था और श्रद्धा के साथ माघ मेले में आए थे, लेकिन उत्पन्न परिस्थितियों के चलते बिना संगम स्नान किए ही लौटने का निर्णय लेना पड़ा। उन्होंने इसे अपने लिए अत्यंत पीड़ादायक बताया।शंकराचार्य ने कहा कि प्रयागराज सदैव शांति, विश्वास और सनातन परंपराओं की भूमि रही है। ऐसी पवित्र धरती से इस तरह लौटना उनके लिए बेहद कष्टदायक है। उन्होंने बताया कि माघ मेले के दौरान एक ऐसी घटना घटित हुई, जिसकी उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी और उसी घटना ने उन्हें भीतर तक आहत कर दिया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि माघ मेला में संगम स्नान उनके लिए केवल एक धार्मिक कर्म नहीं, बल्कि गहरी आस्था का विषय है। इसके बावजूद मौजूदा हालात को देखते हुए उन्होंने मेला छोड़ने का कठिन फैसला लिया। उनके इस निर्णय के बाद संत समाज और श्रद्धालुओं के बीच चचाओं का दौर तेज हो गया है।

प्रेस वार्ता में शंकराचार्य ने कहा, ह्लहमने अन्याय को स्वीकार नहीं किया है और न्याय की प्रतीक्षा करेंगे। आज शब्द साथ नहीं दे रहे हैं, स्वर बोझिल है। प्रयागराज की धरती पर जो कुछ घटित हुआ, उसने हमारी आत्मा को झकझोर दिया है। हम संगम में स्नान किए बिना यहां से विदा ले रहे हैं, लेकिन अपने पीछे सत्य की गूंज छोड़कर जा रहे हैं।ह्व उन्होंने यह भी बताया कि मंगलवार शाम और बुधवार सुबह प्रशासन की ओर से उनके मुख्य कार्याधिकारी को एक प्रस्ताव भेजा गया था। प्रस्ताव में कहा गया था कि जब भी वे चाहें, उन्हें ससम्मान संगम स्नान कराया जाएगा और सभी अधिकारी मौजूद रहेंगे, साथ ही पुष्पवर्षा भी की जाएगी। हालांकि, शंकराचार्य ने कहा कि उस प्रस्ताव में संबंधित घटना के लिए क्षमायाचना का कोई उल्लेख नहीं था।

शंकराचार्य ने कहा, ह्लहमें लगा कि यदि हम स्नान कर लेते और पुष्पवर्षा स्वीकार कर लेते, तो उस दिन की घटना अधूरी रह जाती। इसलिए हमने यह निर्णय लिया।

बखार प्राथमिक विद्यालय में गणतंत्र दिवस पर प्रधानाचार्य अनुपस्थित

शिक्षिका सरोज देवी गायब देवा, प्राथमिक विद्यालय के सहायकअध्यापक अखिलेश पर प्रधानी चलाने का आरोप

मांडा। विकास खण्ड मांडा विधानसभा कोरांव क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बखार में गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान प्रधानाचार्य रंजना बनारसी अनुपस्थित रहीं। उनकी गैरमौजूदगी में ध्वजारोहण किया गया। इसी विद्यालय की शिक्षिका सरोज देवी भी कई महीनों से अनुपस्थित बताई जा रही हैं, जिससे छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने सिरौठी ग्राम पंचायत की प्रधान मंजू सिंह के पति अखिलेश सिंह पटेल पर भी आरोप लगाए हैं। अखिलेश सिंह पटेल देवा के प्राथमिक विद्यालय में सहायक अध्यापक हैं। ग्रामीणों के अनुसार, वे विद्यालय में उपस्थिति दर्ज कराने के बाद राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने चले जाते हैं। ग्रामीणों ने ऐसे लापरवाह शिक्षकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय निवासी अखिलेश मिश्रा ने मांडा की खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) नीलम शाक्यवार पर मिलीभगत का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि कई शिक्षक प्रयागराज में रहते हुए भी विद्यालयों में नियमित उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। ग्रामीणों का मानना है कि इस स्थिति के कारण लापरवाह शिक्षकों का मनोबल बढ़ा है, जिससे बच्चों की शिक्षा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। इस संबंध में खंड शिक्षा अधिकारी मांडा नीलम शाक्यवार ने बताया कि राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस पर कोई भी शिक्षक अपने किसी भी नजदीकी विद्यालय में उपस्थिति दर्ज कर शामिल हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि संबंधित विद्यालय के शिक्षकों की जांच कराई जाएगी और यह पता लगाया जाएगा कि वे कहाँ उपस्थित थे।

रामनगर में दो दिवसीय बालीवाल प्रतियोगिता का हुआ आगाज, कुल 14 टीमों ने किया प्रतिभाग

मुख्य अतिथि एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य सपा नेता सुरेश यादव और ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रामनगर नीरज यादव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

अखंड भारत संदेश

मेजा। स्थानीय रामनगर बाजार के क्रीड़ा स्थल पर वॉलीबाल क्लब रामनगर द्वारा आयोजित दो दिवसीय आमंत्रण वॉलीबाल प्रतियोगिता बुधवार से शुरू हुई। डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन प्रयागराज की देखरेख में आयोजित उक्त प्रतियोगिता के पहले दिन जनपद की कुल 14 टीमों ने प्रतिभाग कर अपने खेल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच सोरांव यूथ क्लब और वॉलीबाल क्लब रामनगर के बीच खेला गया। जिसमें वॉलीबाल क्लब रामनगर ने सोरांव यूथ क्लब को 25 - 21 व 25 - 23 अंकों से हराकर दो दिवसीय आमंत्रण वॉलीबाल प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच जीत लिया। उद्घाटन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व जिला पंचायत सदस्य व वरिष्ठ सपा नेता सुरेश यादव और ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रामनगर नीरज यादव ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के उपरांत फीता काटकर खेल प्रारंभ करने की विधिवत घोषणा की। आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रेम शंकर यादव ने मुख्य अतिथि महोदय का माल्यार्पण एवं बैच लगाकर स्वागत किया। प्रतियोगिता के दौरान मुकेश शुक्ला, असफाक अहमद, संतोष कुमार व रवि वर्मा ने जहां निर्णायक का कार्य किया। वहीं प्रतियोगिता के खेले गए अन्य मैचों में सरदार पटेल क्लब बरहाकलां,मांडा ने स्पोर्टिंग क्लब मदरा मुकुंदपुर को 25 - 16 व 25 - 19 अंकों से, फ्रेंड्स क्लब मेजा ने शिवाजी स्पोर्टिंग क्लब एडीए नैनी को 25 - 22 व 25 - 18 अंकों से, यूनाइटेड क्लब ऊँचडीह ने सुभाष क्लब पकरी सेवार को 25 - 16 व 25 - 18 अंकों से, कंबाइंड क्लब बामपुर ने वॉलीबाल क्लब रामनगर को 25 - 14 व 25 - 19 अंकों से, भास्कर क्लब महेवा,मांडा ने वॉलीबाल क्लब शुक्लपुर को 25 - 21 व 25 - 17 अंकों से, बीएनटी कॉलेज मेजारोड ने वॉलीबाल क्लब ऊँचडीह बाजार को 25 - 23 व 25 - 21 अंकों से, यूनाइटेड क्लब ऊँचडीह ने स्पोर्टिंग क्लब टेला को 25 - 18 व 25 - 20 अंकों से, फ्रेंड्स क्लब मेजा ने बीएनटी कॉलेज मेजारोड को 25 - 17 व 25 - 19 अंकों से हराकर अगले चक्र में प्रवेश किया था। कार्यक्रम का संचालन सतीश शुक्ला व डा.

इंद्रदेव तिवारी ने किया।आयोजन समिति के संरक्षक प्रभूनाथ सिंह ने प्रतियोगिता में पधारें अन्य विशिष्ट अतिथियों का माल्यार्पण एवं बैच लगाकर स्वागत किया। उक्त अवसर पर जिला वॉलीबाल संघ प्रयागराज के महासचिव आरपी शुक्ला, आयोजन समिति के कोषाध्यक्ष जगदीश सिंह, पूर्व वॉलीबाल खिलाड़ी ठाकुर यादव, रियाज अहमद, राकेश पांडेय, कंचन सिंह, सभाजीत सिंह, आशीष सेठ, मुकेश शर्मा, कृष्णा पटेल, जयेश पटेल, कमला शंकर यादव, धाक सिंह व रामबाबू सिंह आदि के अलावा कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें। शेष मैच आज सुबह 10 बजे से खेले जाएंगे।

आदर्श संकुल ब्लॉक सहसों में धूमधाम से मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

सहसों। राष्ट्रीय पर्व 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आदर्श संकुल ब्लॉक सहसों में गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आदर्श संकुल प्रभारी पवन कुमार शुक्ला ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को सलामी दी। ध्वजारोहण के उपरांत विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति गीतों एवं मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिसने उपस्थित अतिथियों एवं ग्रामवासियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में राष्ट्रभक्ति का उत्साह और उल्लास देखने को मिला। इस अवसर पर केंद्रीय महिला उपाध्यक्ष पदमा टंडन, सुषमा गौड़, रीना सिंह, संदीप तिवारी, अशोक चौधरी, सूर्यमणि पांडे सहित अन्य वक्ताओं ने अपने संबोधन में भारत की स्वतंत्रता संग्राम और संविधान निर्माण पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि हजारों क्रांतिकारियों के बलिदान से देश को आजादी मिली और आज ही के दिन भारत को संविधान प्राप्त हुआ, जिसने देश को एक सशक्त लोकतंत्र की दिशा दी। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित लोगों को भारत की एकता, अखंडता एवं संविधान की गरिमा बनाए रखने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन कार्यालय प्रमुख लव कुश कुमार द्वारा किया गया। इस मौके पर प्रमुख रूप से साधना कुमारी, नंदलाल चौरसिया, प्रोजेक्ट मैनेजर विजय कुमार, टीसीएल प्रशिक्षक अभिषेक कुमार, सपना कुमारी, राजीव पटेल, सुषमा वंदना सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कपड़े की दुकान में महिला से अभद्रता, विरोध पर दी धमकी

प्रयागराज। अतरसुइया थाना क्षेत्र के रानी मंडी स्थित एक कपड़े की दुकान में महिला से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोप है कि लहंगा ट्रायल के दौरान दुकान मालिक के बेटे ने महिला के साथ अभद्रता की। विरोध करने पर गाली-गलौज और धमकी दी गई। पीड़िता के पति की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता के पति के अनुसार, 26 जनवरी को उनकी पत्नी रानी मंडी स्थित पप्पू लहंगा हाउस में लहंगा खरीदने गई थीं। ट्रायल रूम में लहंगा पहनकर देखने के दौरान दुकान मालिक का बेटा रावप्रीत सरदार वहां पहुंचा और महिला को गलत तरीके से छूने लगा। महिला द्वारा विरोध किए जाने पर आरोपी ने जबरदस्ती करने की कोशिश की। किसी तरह महिला ट्रायल रूम से बाहर निकली और दुकान से बाहर आने के बाद काफी घबराई हुई थी। पति के पूछने पर महिला ने पूरी घटना बताई। पीड़ित पति का आरोप है कि जब उन्होंने इस घटना की शिकायत दुकान मालिक पप्पू सरदार से की तो उन्होंने उल्टे गाली-गलौज की और धमकी दी। आरोप है कि दुकान मालिक ने कहा कि उनके बेटे ने जो किया है, उसमें न तो पुलिस कुछ कर पाएगी और न ही वे। मामले में अतरसुइया थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। थाना प्रभारी राममूर्ति यादव ने बताया कि आरोपी को थाने बुलाकर पूछताछ की गई है। आरोपी का कहना है कि नाप लेने के दौरान महिला को गलतफहमी हुई। वहीं, पीड़िता का बयान मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज कराया गया है। सभी तथ्यों के आधार पर मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कौंधियारा विकासखंड कार्यालय गेट का शिलान्यास

प्रयागराज। कौंधियारा विकासखंड कार्यालय परिसर में बुधवार को नए मुख्य द्वार (गेट) के निर्माण का शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन ब्लॉक प्रमुख इंद्रनाथ मिश्र ने विधिवत रूप से किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विकासखंड कार्यालय का सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित प्रवेश द्वार बनने से आमजन को सुविधा मिलेगी और कार्यालय की पहचान भी सशक्त होगी। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से माताम्बर मिश्र, शिवसुरत शुक्ल, ललउ चौबे, अशोक पाल, अरविंद, मिश्रीलाल, राजू, प्रभा दुबे एवं लल्लन दुबे सहित अन्य लोग मौजूद रहे। सभी ने विकास कार्य को क्षेत्र के लिए उपयोगी बताते हुए इसे जनहित में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए विकासखंड स्तर पर निरंतर कार्य किए जा रहे हैं और आगे भी जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

श्रद्धालुओं की सेवा और मानव कल्याण के लिए यह प्रयास : विमल दुबे

जंघई। वरिष्ठ समाजसेवी, उद्योगपति, भाजपा नेता चनेथू गांव निवासी विमल धर दुबे द्वारा विमल फाउंडेशन के तत्वावधान में गंगा कल्पवास आश्रम सेक्टर नंबर 5 तुलसी चौराहा, गंगोली शिवाला मार्ग पुल नंबर 4 माघ मेला, प्रयागराज में 14 जनवरी से 1 फरवरी तक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं की सेवा और मानव कल्याण है, जहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। समाजसेवी विमलधर दुबे ने बताया कि प्रयागराज मेले में देश के कोने-कोने से श्रद्धालु आते हैं उनकी सुविधा और सेवा करना ही इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। भंडारे के माध्यम से प्रतिदिन निःशुल्क, स्वच्छ और सात्विक भोजन, नाश्ता, चाय की व्यवस्था की गई है, ताकि श्रद्धालु भक्ति भाव के साथ प्रसाद ग्रहण कर सकें।इस पुनीत आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। विमलधर दुबे द्वारा लगातार सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाई जा रही है। क्षेत्रीय निवासियों, सामाजिक संगठनों और श्रद्धालुओं ने उनके इस प्रयास को मानव सेवा का श्रेष्ठ उदाहरण बताते हुए प्रशंसा की है और सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। इस भंडारे के आयोजन से न केवल श्रद्धालुओं को लाभ मिल रहा है, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और सद्भावना का संदेश भी प्रसारित हो रहा है। इस अवसर पर सुरेश पांडेय, राधेमोहन पांडेय, साहब तिवारी, संजय दुबे, हरिश्चंद्र दुबे, भानू आदि लोग मौजूद रहे।

राष्ट्र निर्माण में अनुशासित और जागरूक बच्चे ही देश के हैं उज्जवल भविष्य : सुशील स्वतंत्र मिश्रा

दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच हर्षोल्लास पूर्ण माहौल में धूमधाम से मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस, लोकतंत्र एवं संविधान की मजबूती का लिया गया संकल्प

मेजा। दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज गोसौरा में 77वां गणतंत्र दिवस रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच बड़े ही हर्षोल्लास पूर्ण माहौल में धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान पूरा विद्यालय परिसर राष्ट्रभक्ति की भावना से ओत-प्रोत रहा। स्कूल के छात्र छात्राएं, शिक्षक एवं अतिथि भारत के गणतंत्र दिवस को मनाने के लिए पूरी तन्मयता के साथ एकत्रित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के स्वागत अभिनन्दन और पुष्पगुच्छ भेंट कर बैज लगाकर की गई। इसके पश्चात कार्यक्रम की भूमिका प्रस्तुत की गई, जिसमें गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला गया। समारोह को आगे बढ़ाते हुए दीप प्रज्वलन किया गया। तत्पश्चात स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा अनुशासित मार्च-पास्ट के बाद राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। राष्ट्रगान के समय सभी उपस्थित जन सम्मान पूर्वक खड़े होकर देश के प्रति अपनी एकता और प्रेम का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरूआत स्कूल के छात्र के प्रेरणादायक भाषण से हुई। घर मोरे परदेसिया गीत पर मनमोहक शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किया गया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के साहस और बलिदान को दशार्ती मंगल पांडेय पर आधारित प्रभावशाली नाटिका ने सभी को भाव-विभोर कर दिया। एलकेजी एवं यूकेजी के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने अपनी ऊर्जावान नृत्य प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। इसके पश्चात स्कूल के शिक्षक हिमांशु साहू का प्रेरक भाषण हुआ। जिसमें उन्होंने विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में देश रंगीला शीर्षक से रंगारंग प्रस्तुतियाँ दी गईं तथा विद्यार्थियों द्वारा शानदार पिरामिड गठन प्रस्तुत किया गया। कक्षा 5 एवं 6 के विद्यार्थियों के नृत्य ने समारोह में और अधिक उत्साह भर दिया। कार्यक्रम का समापन स्कूल के चेयरमैन सुशील मिश्रा एवं प्रबंधक सुश्री डॉ. स्वतंत्रा मिश्रा के प्रेरक संबोधन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के प्रयासों की खूब सराहना करते हुए कहा कि अनुशासित और जागरूक युवा ही देश के उज्जवल भविष्य हैं। अंत में स्कूल के उपप्राचार्य सृजन मिश्रा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। उल्लेखनीय है कि दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह बेहद प्रशंसनीय रहा जो सभी उपस्थित जनों में देशभक्ति,अनुशासन एवं एकता की भावना को और अधिक प्रबल कर दिया।

माघ मास में आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में सनातन धर्म की महत्ता पर पूर्व सांसद में डाला प्रकाश

सहसों। माघ मास के पावन अवसर पर धार्मिक वातावरण की सरस बयार के बीच भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष मनोज त्रिपाठी के सहसों स्थित आवास पर धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया। इस अनुष्ठान में पूर्व सांसद फूलपुर एवं अपना दल के वरिष्ठ नेता नागेंद्र सिंह पटेल तथा प्रसिद्ध संत राधेश्याम तिवारी बाबा ने सहभागिता कर सनातन धर्म की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर पूर्व सांसद नागेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि सनातन धर्म की परंपराएं और धार्मिक अनुष्ठान भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं। ऐसे आयोजनों से भावी पीढ़ी में संस्कृति, सभ्यता एवं संस्कारों का संरक्षण होता है। उन्होंने कहा कि धार्मिक अनुष्ठानों से बच्चों में धर्म के प्रति रुचि जागृत होती है और वे संस्कारवान बनते हैं। वहीं राधेश्याम तिवारी बाबा ने हनुमान जी की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि उनकी स्तुति से प्रभु श्रीराम की विशेष कृपा प्राप्त होती है। हनुमान जी की भक्ति से घर-परिवार में सुख-समृद्धि आती है, बच्चों में आदर्श गुणों का विकास होता है तथा जीवन के सभी कार्य बिना किसी बाधा के पूर्ण होते हैं। हनुमान जी की उपासना से व्यक्ति के जीवन का कल्याण होता है और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। धार्मिक अनुष्ठान में राकेश तिवारी, जय प्रकाश द्विवेदी, वीरेंद्र बहादुर सिंह, राजधर द्विवेदी, कृष्ण बल्लभ द्विवेदी, डॉ. मनीष तिवारी, ग्राम प्रधान मनीष गुप्ता, शिवधारी पाल, राजू तिवारी, शनी सिंह, पंडित दिनेश चंद तिवारी, सूर्यकांत तिवारी सहित आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आयुष विभाग के चिकित्साधिकारी व फार्मासिस्ट अपने कार्यस्थलों पर समय से उपस्थित रहे : सीडीओ

सीडीओ ने आयुष विभाग के समस्त प्रभारी अधिकारियों के साथ बैठक कर दिये आवश्यक दिशा निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा की अध्यक्षता में जनपद स्तर पर आयुष विभाग के समस्त प्रभारी अधिकारियों के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य आयुष विभाग के अंतर्गत संचालित योजनाओं, सेवाओं एवं विभागीय कार्यों की समीक्षा कर उनके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करना रहा। बैठक में आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी चिकित्सा पद्धतियों के अंतर्गत संचालित चिकित्सालयों की वर्तमान स्थिति, उपलब्ध संसाधनों, जनहितकारी कार्यक्रमों तथा विभागीय कार्यों की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा विभागीय कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्देश प्रदान किए गए।मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देशित किया कि जिन आयुष चिकित्सालयों में भवन जर्जर अवस्था में हैं अथवा शौचालय, विद्युत व्यवस्था आदि मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याएँ विद्यमान हैं, उन सभी समस्याओं का विवरण तत्काल उपलब्ध कराते हुए मुख्य विकास अधिकारी के माध्यम से शीघ्र निवारण की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। इसके अतिरिक्त उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि आयुष चिकित्सालयों हेतु भूमि से संबंधित जो प्रक्रियाएँ जिस भी स्तर पर लंबित हैं, उनकी अद्यतन एवं स्पष्ट सूचना तत्काल प्रस्तुत की जाए, ताकि संबंधित प्रकरणों में आवश्यक प्रशासनिक कार्यवाही की जा सके।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि आयुष विभाग से संबंधित जो निर्माण कार्य विभिन्न विभागों के माध्यम से प्रचलित हैं, उनकी वर्तमान प्रगति की विस्तृत रिपोर्ट, साथ ही प्रत्येक निर्माण कार्य की निर्धारित एवं संभावित पूर्ण होने की तिथि सहित सूचना तत्काल उपलब्ध कराई जाए, ताकि कार्यों की समयबद्ध समीक्षा एवं अनुश्रवण किया जा सके। साथ ही समयबद्ध उपस्थिति को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी सहित समस्त चिकित्साधिकारी एवं फार्मासिस्ट इंचार्ज अपने-अपने कार्यस्थलों पर निर्धारित समय से उपस्थित रहना सुनिश्चित करें तथा विभागीय अनुशासन का पूर्णतः पालन करें।बैठक में विभागीय कार्यों में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व एवं गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष बल दिया गया तथा निर्देशित किया गया कि शासन की मंशा के अनुरूप सभी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए आयुष सेवाओं का विस्तार ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक किए जाने पर भी बल दिया गया। अंत में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सभी प्रभारी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें तथा आयुष पद्धतियों के माध्यम से जनस्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएँ। बैठक में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डा0 सुमन कुशवाहा, जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डा0 ममता सचान व समस्त चिकित्साधिकारी उपस्थित रहे।

किशोर को पुलिस ने 12 घंटे में किया बरामद

पट्टी। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत आजाद ईंट उद्योग गड़ौरी पर मजदूरी करने वाली मीरा देवी पत्नी सोनू ने रविवार सुबह करीब 11 बजे से अपने 12 वर्षीय पुत्र दादे उर्फ साजन के लापता होने की गुमशुदगी सोमवार को कोतवाली पट्टी में दर्ज कराई थी। पीड़िता मूल रूप से आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के पिपरी मुतकरपुर गांव की निवासी है।मां द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर किशोर की तलाश शुरू कर दी। लगातार छानबीन के बाद मंगलवार की शाम करीब 7 बजे पुलिस ने लापता किशोर को एक दुकान पर काम करते हुए बरामद कर लिया। इसके बाद परिजनों को मौके पर बुलाकर किशोर की पहचान कराई गई।रात करीब 8 बजे पुलिस किशोर को मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल ले गई। मेडिकल के बाद आवश्यक कार्रवाई पूर्ण करते हुए किशोर को सुरक्षित उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।गुमशुदगी दर्ज होने के महज 12 घंटे के भीतर किशोर की सकुशल बरामदगी से परिजन बेहद खुश नजर आए और उन्होंने पुलिस की तत्परता की सराहना की।

सड़क सुरक्षा नियमों का कड़ाई से अनुपालन करायें : ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट अनुष्का शर्मा की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय के सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक में अधिशासी अभियन्ता ओ.पी. चैरसिया द्वारा पिछली बैठक की अनुपालन आख्या प्रस्तुत की गई। इस दौरान एआरटीओ ने जानकारी दी कि 01 जनवरी से 31 जनवरी तक सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत आमजन को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट ने डीपीआरओ को निर्देशित किया कि ब्लॉक स्तर पर ग्राम पंचायतों की बैठकें आयोजित कर ग्रामवासियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाए तथा जागरूकता संबंधी पम्पलेट वितरित किए जाएं। साथ ही गुड्स सेमेरिटन (नेक आदमी) योजना के प्रति लोगों को जागरूक करने पर भी जोर दिया गया। स्वास्थ्य, परिवहन एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा गया कि गुड्स सेमेरिटन दिशा-निदेर्शों का पालन सुनिश्चित किया जाए तथा सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करने वाले नेक व्यक्तियों को सम्मानित किया जाए। बैठक में बताया गया कि जनपद में कुल 08 ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए हैं, जिनमें से कुछ पर आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कर ली गई है जबकि शेष पर कार्यवाही प्रगति पर है। ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट ने अवशेष ब्लैक स्पॉट्स पर शीघ्र आवश्यक सुधारात्मक कार्य करने के निर्देश दिए। सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा के दौरान यह भी बताया गया कि गत माह की तुलना में इस माह सड़क दुर्घटनाओं में कमी दर्ज की गई है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया गया कि विद्यालयों में संचालित वाहनों के फिटनेस प्रमाण पत्र सभी प्रधानाचार्यों एवं प्रबंधकों से अनिवार्य रूप से प्राप्त किए जाएं। ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने हेतु सड़क सुरक्षा नियमों का कड़ाई से अनुपालन कराया जाए। तेज रफ्तार, बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट एवं ओवरलोडिंग करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में प्रान्तीय खण्ड के अधिशासी अभियन्ता ओ.पी. चैरसिया, एआरटीओ दिलीप गुप्ता, ट्रांसपोर्ट यूनियन अध्यक्ष विजय सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

यूजीसी एक्ट के विरोध में अधिवक्ताओं ने तहसील व रजिस्ट्री कार्यालय में की तालाबंदी

सड़क पर उतरकर लगाए काला कानून वापस लो के नारे

अखंड भारत संदेश

पट्टी। यूजीसी द्वारा प्रस्तावित नियमों के विरोध में बुधवार को पट्टी तहसील मुख्यालय पर अधिवक्ताओं का आक्रोश खुलकर सामने आया। सुबह करीब 11 बजे बार एसोसिएशन पट्टी के आह्वान पर अधिवक्ताओं ने तहसील एवं रजिस्ट्री कार्यालय में तालाबंदी कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इसके चलते पूरे दिन न्यायिक कार्य पूरी तरह ठप रहा, वहीं आम जनमानस को भी भारी असुविधा का सामना करना पड़ा।प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ता सड़क पर उतर आए और ह्यकाला कानून वापस लोह्ण जैसे नारों के साथ यूजीसी के नियमों का विरोध किया। अधिवक्ताओं का कहना था कि प्रस्तावित नियम अधिवक्ताओं के अधिकारों पर कुठाराघात हैं और इससे न्यायिक एवं सामाजिक व्यवस्था कमजोर होगी। उन्होंने इन नियमों को समाज विरोधी बताते हुए तत्काल वापस लेने की मांग की। आंदोलन का नेतृत्व बार एसोसिएशन पट्टी के अध्यक्ष अनिल सिंह एवं महामंत्री प्रमोद सिंह ने किया। पूर्व बार अध्यक्ष राधा रमण मिश्रा ने अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब तक सरकार और संबंधित विभाग इस काले कानून को वापस नहीं लेते, तब तक अधिवक्ताओं का संघर्ष जारी रहेगा।इस विरोध प्रदर्शन में अनुराग त्रिपाठी, रवी सिंह, प्रदीप पाठक, रमाशंकर पाठक, अंजनी शुक्ला, रणविजय सिंह, नंदन चतुवेर्दी, विकास तिवारी, अमरेंद्र विक्रम सिंह, वंश बहादुर सिंह, अरविंद कुमार पाण्डेय, विपिन सिंह सहित सैकड़ों अधिवक्ता शामिल रहे।अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही उनकी मांगों पर विचार नहीं किया गया, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

न्याय,नैतिकता और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करना भी अधिवक्ता का दायित्व : ज्ञानेन्द्र सिंह

अधिवक्ता परिषद द्वारा आयोजित हुआ राष्ट्र निर्माण में युवा अधिवक्ताओं की भूमिका पर संगोष्ठी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। अधिवक्ता परिषद अवध प्रतापगढ़ ईकाई के आयोजकत्व में बुधवार को जिला बार एसोसिएशन के सभागार में स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में युवा अधिवक्ता दिवस कार्यक्रम में राष्ट्र निर्माण में युवा अधिवक्ताओं की भूमिका पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद एवं भारत माता के चित्र समक्ष अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर वंदेमातरम गीत से किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र सिंह ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने युवाओं को आत्मविश्वास,अनुशासन और राष्ट्रसेवा का जो मार्ग दिखाया, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि एक अधिवक्ता का कर्तव्य केवल न्यायालय तक सीमित नहीं होता, बल्कि समाज में न्याय, नैतिकता और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करना भी उसका दायित्व है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद जिला बार के महामंत्री रवीन्द्र सिंह मंटू ने स्वामी विवेकानंद जी के जीवन,उनके संघर्ष, आध्यात्मिक चेतना और युवाओं के लिए दिए गए प्रेरणादायी संदेशों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि युवाओं को चाहिए कि वे स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों को अपनाकर एक सशक्त और न्यायपूर्ण समाज के निर्माण में योगदान दें। इस मौके पर परिषद के प्रांतीय उपाध्यक्ष अनिल दूबे ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी का जीवन आज के युवाओं के लिए मार्गदर्शक है और उनके विचार अधिवक्ताओं को सत्य, साहस और सेवा के पथ पर आगे बढने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता विद्याभवन सिंह व सुभाष सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिवक्ता परिषद के अध्यक्ष मनोज सिंह व संचालन महामंत्री शिवेश कुमार शुक्ल ने किया। इस मौके पर जय सिंह चैहान,भानू प्रकाश तिवारी, विवेक गुप्ता,अंकज सिंह सहित पांच युवा अधिवक्ताओं को अतिथियों द्वारा पेन व पुष्प भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्र और समाज सेवा के संकल्प के साथ राष्ट्रगान से समापन किया गया। इस मौके पर प्रमुख रूप से परिषद के जिला उपाध्यक्ष जया शर्मा, कोषाध्यक्ष भरत लाल वैश्य,उदित गिरी,रुपनारायण, प्रदीप तिवारी, विजय शुक्ल,जय शंकर, रूपेश शुक्ल,राकेश सिंह,पंकज,अभिनव, ओमप्रकाश सिंह,सहित आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

यूजीसी एक्ट के विरोध में एसडीएम को सौपा ज्ञापन

लालगंज। उच्च शिक्षण संस्थानो मे लागू किये गये यूजीसी बिल के विरोध में बुधवार को राजपूत करणी सेना ने आवाज मुखर किया। करणी सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद कुमार सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता तहसील लालगंज पहुंचे। यहां एसडीएम लालगंज शैलेन्द्र वर्मा से मिलकर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौपते हुए यूजीसी द्वारा लागू नए नियमों को वापस लिये जाने की मांग उठाई है। राजपूत करणी सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि इस नए नियम से छात्रों के बीच वैमनस्य बढ़ सकता है। नया कानून सवर्ण जातियों के लिए चिंताजनक है। इस मौके पर जयकरन सिंह, शैलेन्द्र सिंह, अंकुर त्रिपाठी, संजय पाण्डेय, धर्मेन्द्र सिंह, विजय मिश्र, राजन सिंह, विनोद मिश्र, योगेन्द्र सिंह, अंकुर तिवारी, विजय प्रकाश आदि मौजूद रहे।

न्यूज झरोखा

चोरी की बाइक संग युवक गिरफ्तार, पुलिस ने भेजा जेल

पट्टी। कोतवाली क्षेत्र के भरोखन नहर पुलिया के पास पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर जेल भेज दिया। पट्टी थाना अध्यक्ष आनंदपाल सिंह ने बताया कि बुधवार को थाने के उपनिरीक्षक सचिन कुमार यादव संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान एक युवक बाइक से आता दिखाई दिया। पुलिस द्वारा रोकने का प्रयास करने पर युवक बाइक लेकर भागने लगा। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दौड़ाकर बाइक सहित उसे पकड़ लिया। पूछ-ताछ में युवक ने अपना नाम रवि प्रकाश मिश्रा निवासी पूरे बालकिसुन गिरी, थाना आसपुर देवसरा बताया। बाइक के संबंध में पूछने पर आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने यह बाइक राजा बाजार से चोरी की थी और पहचान छिपाने के लिए बाइक की नंबर प्लेट बदल दी थी।पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए बुधवार दोपहर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु जिला मुख्यालय भेजा। थानाध्यक्ष ने बताया कि बरामद बाइक की जांच में सामने आया है कि बाइक जौनपुर जनपद के तेजी बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत एक युवक के नाम से पंजीकृत है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

जीवन को सार्थक बनाती है श्रीमद्भागवत कथा

प्रतापगढ़। नगर के अझारा में चल रही श्रीमदभागवत कथा कथा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। कथाव्यास आचार्य अतुल जी महराज ने बताया कि श्रीमदभागवत कथा जीवन को सार्थक बनाती है। श्रीमदभागवत कथा श्रवण करने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। वहीं कलियुग में भागवत कथा श्रवण से मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है। कथा आचार्य अतुल जी महराज ने बताया कि परमात्मा सिर्फ भक्त की सच्ची भक्ति के आधीन होता है। मुख्य आयोजक मुरारीमोहन मिश्र व उषानाथ मिश्र तथा इन्द्रा मिश्रा व प्रभावती मिश्रा ने विधिविधान से व्यासपीठ का पूजन किया। इस मौके पर अरविंद मिश्र, कमल मिश्र, राजकुमार पाण्डेय, ज्ञानेन्द्र प्रसाद तिवारी, संजय पाण्डेय, अखिलेश मिश्र, संतोष पाण्डेय, सुनील मिश्र, कमल मिश्र आदि रहे।

महिला के गायब होने को लेकर दर्ज हुआ केस

प्रतापगढ़। घर से लकड़ी तोड़ने की बात कहकर निकली महिला के गायब हो जाने की घटना को लेकर पीड़ित पति ने पुलिस को तहरीर सौंपी है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। लीलापुर थाना क्षेत्र के एक गांव के पीड़ित ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीते चैदह जनवरी की शाम करीब चार बजे उसकी पत्नी लकड़ी तोड़ने की बात कहकर घर से निकली थी। वापस न लौटने पर काफी खोजबीन के बाद भी उसका पता नही चला। पुलिस ने जांच के बाद मुकदमा दर्ज किया है।

दो आरोपियों पर किशोरी के अपहरण का केस दर्ज

प्रतापगढ़। किशोरी को अपहृत कर ले जाने की घटना को लेकर दो आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। लालगंज कोतवाली के एक गांव के पीड़ित पिता ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि उसकी पन्द्रह वषीर्या पुत्री को सारीपुर गांव निवासी अन्तिम पटेल पुत्र उदल पटेल व रामसिंह पटेल बहला फुसलाकर भगा ले गया। यह भी आरोप है कि किशोरी घर से दो लाख की नकदी व करीब दो लाख के जेवरात भी साथ उठा ले गयी। काफी खोजबीन के बाद भी किशोरी का पता नही चल सका। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि जांच के बाद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

मारपीट व धमकी को लेकर तीन पर केस

लालगंज। मारपीट व धमकी की घटना को लेकर पुलिस ने तीन आरोपियो के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के तारापुर गांव की पुष्पा मिश्रा पत्नी स्व0 राकेश मिश्र ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती छब्बीस जनवरी की शाम करीब साढ़े पांच बजे जल निगम की टोंटी नल में लगाने के विवाद को लेकर गांव के महेन्द्र पाण्डेय, धीरेन्द्र पाण्डेय व योगेन्द्र पाण्डेय पुत्रगण अंबिका प्रसाद ने गालीगलौज करते हुए पीडिता व उसके बेटे सागर को मारापीटा व जान से मारने की धमकी दी। एसओ राजेन्द्र तिवारी का कहना है कि जांच के बाद तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

दो वांछित गिरफ्तार, भेजे गये जेल

लालगंज। कोतवाली पुलिस ने गश्त के दौरान अलग अलग जगहों से दो वांछित को धर दबोचा। लालगंज कोतवाली के दरोगा राजेन्द्रराम बुधवार सुबह पुलिस बल के साथ गश्त पर निकले थे। इसी दौरान वांछित नेकनामपुर निवासी रामकुमार पुत्र रामबाबू को उसके घर के पास से गिरफ्तार किया। उधर दरोगा बनवारी लाल पाल ने गश्त के दौरान भगवतीपुर नबाबगंज जनपद प्रयागराज निवासी सददाम हुसैन पुत्र मो0 शब्बीर को लालगंज के राजेन्द्र नगर नहर के पास से गिरफ्तार किया। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार ने बताया कि गिरफ्तार किये गये दोनों वांछित को जेल भेज दिया गया है।

कोटेदार पर राशन न देने का आरोप, जांच के दौरान दुकान बंद कर हुआ फरार

कुंडा। बाबागंज ब्लॉक की भरतगढ़ ग्रामसभा में बुधवार को उस समय हंगामा हो गया, जब कोटेदार द्वारा फिंगर लगाने के बाद भी राशन नहीं दिया गया। आरोप है कि ग्रामसभा के कोटेदार बृजेश चंद्र द्विवेदी ने कई राशन कार्ड धारकों से बायोमेट्रिक सत्यापन कराने के बाद राशन वितरण नहीं किया। इससे नाराज कार्ड धारकों ने मामले की शिकायत सप्लाई इंस्पेक्टर कुंडा शिवकुमार मिश्र से की। शिकायत मिलने पर सप्लाई इंस्पेक्टर जब मौके पर पहुंचे, तो कोटेदार दुकान बंद कर फरार हो गया।ग्रामीणों का आरोप है कि कोटेदार द्वारा आए दिन घटतौली की जाती है और फिंगर लगाने के बाद राशन नहीं दिया जाता। बताया गया कि पूर्व में भी कोटेदार की दुकान कई बार निलंबित की जा चुकी है, लेकिन हर बार उसे बहाल कर दिया जाता है।मौके पर पहुंचे सप्लाई इंस्पेक्टर शिवकुमार मिश्र ने दुकान की जांच की और राशन कार्ड धारकों के बयान दर्ज किए।

किशोर लापता, गुमशुदगी का केस

कुंडा/प्रतापगढ़। जेठवारा थाना क्षेत्र के हरिश्चंद्र प्रजापति का 16 वर्षीय पौत्र मयंक(23) जनवरी को दोपहर में लापता हो गया। संभावित स्थानों पर तलाश के बाद कुछ पता नहीं चला तो गुमशुदगी का केस दर्ज कराया गया है।

रोमांचक मुकाबले में भुलसा टीम बनी विजेता

अखंड भारत संदेश

कुंडा/प्रतापगढ़। बाबागंज ब्लाक के आजाद नगर में बीते 24 जनवरी से चल रहे आजाद कप क्रिकेट टूनार्मेंट का फाइनल मुकाबला बुधवार को भारत फर्नीचर भुलसा लालगोपालगंज और मां भवानी द्वार मिश्रा दयालपुर टीम के बीच खेला गया जिसमें टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भुलसा की टीम ने निर्धारित 10 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 147 रन बनाए जवाब में उतरी मां भवानी द्वार मिश्रा दयालपुर की टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा पहले ही ओवर में उसके तीन विकेट गिर गए।हालांकि बाद उसके खिलाड़ी रिंकू बनारस आदि ने मुकाबले को संभाला और स्कोर को 60 रन तक पहुंचा लेकिन पूरी टीम 101 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। जिस पर भारत फर्नीचर भुलसा की टीम विजेता बनी।मुख्य अतिथि बाबागंज विधायक विनोद सरोज ने विजेता टीम को आजाद टीम को ट्रॉफी और नगद विजेता टीम को 80 हजार और उपविजेता टीम को 50 हजार की नगद धनराशि दिया। दौरान उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से ग्रामीण प्रतिभाओं को निखारने का मौका मिलता है।इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि कुलदीप पटेल ,ब्लॉक प्रमुखपति रामजस सरोज ,लक्ष्मीकांत मिश्र डब्लू, अरविंद यादव , विनोद सरोज गुरुजी ,अरविंद सरोज शिक्षक ,कल्लन यादव, डॉ.फरीद खान, अखिलेश मिश्रा, पंकज यादव ,रवि सरोज आदि मौजूद रहे। मैच में इन्पायरिंग अजय यादव और संतोष पांडे की जबकि कमेंटी अखिलेश मिश्रा आरजे संजय और इंग्लिश कमेंट्री अश्वना सरोज ने किया मैं इसमें स्कोरिंग की भूमिका विनोद कुमार ने निभाई।

पिकअप वाहन की टक्कर से घायल गोवंश का कराया गया उपचार

पट्टी। चांदा मार्ग पर पिकअप वाहन की टक्कर से एक गोवंश गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही सामाजिक कार्यकर्ता सुधांशु सिंह, आदित्य सिंह (अध्यक्ष, बजरंग दल पट्टी) एवं विभू सिंह मौके पर पहुंचे और मानवीय संवेदना दिखाते हुए घायल गोवंश के उपचार की व्यवस्था कराई।सूचना पर पहुंचे पशु चिकित्सक मुन्ना ने मौके पर ही गोवंश का प्राथमिक उपचार किया। समय पर उपचार मिलने से गोवंश की हालत में सुधार बताया जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली।घटना के बाद चांदा मार्ग पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा, लेकिन समाजसेवियों की तत्परता से स्थिति शीघ्र ही सामान्य हो गई। उपस्थित लोगों ने गोवंश की रक्षा एवं सेवा के लिए आगे आए युवाओं की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक कदम बताया।

खेत जाते समय किशोरी से अश्लील टिप्पणी, शिकायत

पट्टी। कोतवाली क्षेत्र के औराईन गांव निवासी एक महिला ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि उसकी नाबालिग बेटी के साथ गांव के युवक अश्लील टिप्पणी और हरकतें करते हैं। महिला का कहना है कि उसकी बेटी जब सुबह-शाम खेत जाती है, तभी आरोपी युवक रास्ते में उसे परेशान करते हैं।पीड़िता ने मामले में पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में दरोगा सरनाम ने बताया कि प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ है और मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

छात्राओं को दी गई महिला सुरक्षा और साइबर अपराध से बचाव की जानकारी

कुंडा। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देशन में मंगलवार को थाना कुंडा की मिशन शक्ति और साइबर टीम ने जेड यू इंटर कॉलेज कुंडा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में छात्राओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव और सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के अंतर्गत सहायता और हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में छात्राओं को नए आपराधिक कानूनों के बारे में बताया गया और उन्हें यह समझाया गया कि किसी भी आपात स्थिति में कैसे मदद प्राप्त की जा सकती है। सोशल मीडिया और इंटरनेट के बढ़ते उपयोग के बीच साइबर अपराधों से बचने के उपाय भी समझाए गए। हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए बताया गया कि महिला पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस हेल्पलाइन 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 जैसे नंबरों का उपयोग किसी भी समस्या में किया जा सकता है।इसके अतिरिक्त छात्राओं को थाना कुंडा में स्थापित महिला हेल्प डेस्क और मिशन शक्ति प्रभारी के संपर्क नंबर की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने अपनी समस्याओं को साझा किया और मिशन शक्ति टीम ने उनके समाधान के लिए सुझाव दिए।इस जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें सुरक्षा संबंधी अधिकारों की जानकारी देना था। कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान पाया। मिशन शक्ति अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम से छात्राओं में जागरूकता और आत्मविश्वास बढ़ने की उम्मीद है।

गौशाला में हो रही गौ माता की दुर्दशा, जिम्मेदार मौन

अखंड भारत संदेश

अझुवा कौशाम्बी। प्रदेश सरकार गौ सेवा व गायों की स्थिति सुधारने के लिए करोड़ों रुपए खर्च कर रही वहीं जिम्मेदार उनके मंसूबों पर पानी फेरते नजर आ रहे हैं,गौवंश संरक्षण के नाम पर अपनी तिजोरी भरने में जुटे हुए हैं। इसका उदाहरण आदर्श नगर पंचायत अझुवा स्थित कान्हा गौशाला में देखने को मिला जहां मंगलवार सुबह एक गाय की मौत और 2 गौवंश मरणासन्न स्थिति में मिली पास में खड़ी नगर पंचायत की जेसीबी गौवंश के मौत का इंतजार कर रही थी।कान्हा गौशाला में 3 जनों की दिन ड्यूटी और 3 जनों की रात ड्यूटी लगाई गई है केयर टेकरों के अनुसार कान्हा गौशाला में मौजूदा समय 208 गौवंश संरक्षित किए गए हैं जबकि कुछ माह पहले इस गौशाला में 230 गौवंश बताए गए थे,गौशाला प्रभारी राजाराम ने बताया कि प्रति गौवंश 50 रुपए सरकारी धन प्राप्त होता है उसी 50 रुपए में प्रति गौवंश के हिसाब से भूसा, चुनी ,चोकर,चारा का प्रबंध किया जाता है,गौशाला प्रांगड़ में खड़ी जेसीबी गौवंश के बाबत बताया खाद को इकठ्ठा करने के काम आती है। गौशाला में लगातार पशुओं की मौत हो रही है अफसर गंभीर नहीं हैं गौशाला की भ्रष्टाचार की व्यवस्था अफसर तक न पहुंचे इसलिए भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने के लिए गौशालाओं को किले में तब्दील कर दिया गया है कि सरकारी तानाशाह का आलम यह है कि गौशाला में पत्रकारों के प्रवेश पर रोक लगाई गई है।

भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने के लिए किले में तब्दील हुआ गौशाला पत्रकारों के प्रवेश पर लगी रोक

गौशाला में प्रवेश वर्जित, ईओ के साथ ही गौशाला में प्रवेश करें पत्रकार : एसडीएम सिराथू

टैगिंग की आड़ में आंकड़ों का बड़ा खेल

अझुवा कौशांबी। गौसंरक्षण केंद्र में पशुओं को टैगिंग कर उनकी संख्या स्पष्ट करने का निर्देश कई वर्षों पूर्व उत्तर प्रदेश सरकार ने दिया लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार का यह निर्देश गौसंरक्षण केंद्र में पशुओं को टैगिंग करने का वर्षों बाद भी अधूरा रह गया है इसके पीछे जिम्मेदारों की मंशा साफ नहीं है यदि पशुओं की टैगिंग होती तो कौन से टैग नंबर के पशु की किस तारीख को मौत हुई है यह स्पष्ट हो जाएगा लेकिन पशुओं की टैगिंग नहीं होती तो जिम्मेदारों के भ्रष्टाचार पर पर्दा पड़ा रह जाएगा आए दिन गांव क्षेत्र से गौसंरक्षण केंद्र में नए पशु पहुंचते हैं और पुराने पशुओं की मौत हो जाती है पुराने पशुओं के स्थान पर नए पशुओं को शामिल कर दिया जाता है जिससे पशुओं की मौत के आंकड़े में बड़ा खेल होता है पशुओं को टैगिंग न करने वाले अफसर को अभी तक निलंबित नहीं किया गया है यह भी बड़ा सवाल खराब हो रहा है।

आखिर गौशाला में जेसीबी का क्या औचित्य

अझुवा कौशांबी। कान्हा गौशाला के नजदीक वाशिंदों के अनुसार गौशाला क्षेत्र में सीसीटीवी लगा है जिसकी निगरानी नगर के जिम्मेदार करते हैं। ज्योंहि किसी गौवंश की मौत होती है जेसीबी से गौशाला के बगल की भूमि में दफना दिया जाता है।यदि जिले के उच्चाधिकारी सीसीटीवी जांच करें तो जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई हो सकती है। वहीं इस संबंध में उपजिलाधिकारी सिराथू योगेश गौड़ ने कहा गौशाला में बिना अधिशाषी अधिकारी के आदेश के प्रवेश वर्जित है,आपको खबर लिखनी है तो अधिशाषी अधिकारी के साथ गौशाला जाएं,गौवंश के असमय मौत के बाबत बताया कि यह जानकारी आप गौशाला में गौवन्शो के इलाज के लिए,नियुक्त पशु डॉक्टर से बात करें,गौशाला में मौजूद जेसीबी के सवाल पर कोई जवाब नहीं।वहीं पशु डॉक्टर विवेक सिंह ने कहा है गौवंश मर रहे हैं वह वृद्ध हैं,गौवंशो के बच्चे मरने के बाबत बताया,घरों में पाले जाने वाले जानवरों को समय समय पर चूनी चोकर सहित पोषक तत्त्व दिए जाते हैं जिससे वह कुपोषित नहीं होते और जानवर हट्टे कट्टे रहते हैं पशु प्रेमी बुद्धिजीवियों के अनुसार सभी गौशालाओं में कमोबेस यही स्थिति है गौवंश संरक्षण के नाम पर गौवंशों का कब्रगाह बना दिया गया जहां बेचारे गौवंश भूख कुपोषण से तिल तिल कर मरने को मजबूर है यह बेकार के गौवंश अभागे हैं क्योंकि यदि वह बाहर रहते तो कहीं न कहीं मुंह मार कर या घास चर कर अपना पेट भर ही लेते लेकिन संरक्षण के नाम पर कैद होने के बाद भूख से तड़पते हुए जान दे देना ही उनकी नियति बन चुकी है जिम्मेदारों की तिजोरी भरने का साधन बन गए हैं।

अझुवा भोला चौराहा के मुख्य मार्ग (सांखा मार्ग)में कब मिलेगी जाम के झाम से मुक्ति

अझुवा कौशाम्बी नगर पंचायत अझुवा के मुख्य चौराहा के आसपास अतिक्रमण के चलते रोजाना जाम लगता है जिसमें छात्र-छात्राएं भी काफी देर तक परेशान रहते हैं चौराहे के आसपास टेंड्री मोड़ तक यातायात व्यवस्था बदहाल बनी हुई है इसके चलते आज बुधवार 3 बजे के बाद लगे जाम के कारण काफी संख्या में छात्र-छात्राएं रास्ता खाली होने का इंतजार करते रहे। जाम में वाहन सहित फंसे लोगों ने सड़क पर कड़ी मशक्कत करके आड़े तिरछे लगाए गए वाहनों को नियंत्रित कर जाम खुलवाया तब लोगों ने राहत महसूस की ।नगर पंचायत अझुवा के भोला चौराहा से शाखा को जाने वाले मुख्य मार्ग में आए दिन जाम लगता है विशेष कर बुधवार और रविवार को भीषण जाम का सामना करना पड़ता है आज बुधवार दोपहर बाद विद्यालयों की छुट्टी के समय काफी संख्या में छात्र-छात्राओं के निकलने पर चौराहा से टेंडरी मोड तक विकराल जाम लग गया जिसके कारण भोला चौराहे से होकर जाने वाले मुख्य मार्ग में काफी संख्या में छात्र-छात्राएं जाम में फंस गए वाहनों में सवार कई लोगों ने सड़क पर उतरकर कड़ी मशक्कत की तब वाहनों का धीमी गति से चलना प्रारंभ हुआ करीब 1 घंटे बाद यातायात पटरी पर आया स्थानीय लोगों की माने तो भोला चौराहे के आसपास सर्विस लेन पर लगी दुकानें व आड़े तिरछे खड़े वाहन की वजह से आए दिन जाम की समस्या रहती है लेकिन इस समस्या से जिम्मेदारों ने आंखें बंद कर रखी है।

लैंगिक समानता, महिलाओं को आगे बढ़ाने और समावेशी समाज के निर्माण हेतु जरूरी हैं महिला अधिकार डॉ. दिवाकर

कौशांबी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जनपद न्यायालय कौशाम्बी के तत्वावधान में बुधवार को ग्राम सैयद सरावां निमिया में चायल में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।डॉ. नरेन्द्र दिवाकर ने महिला अधिकार पर कहा कि महिला अधिकार वे मौलिक अधिकार हैं जो सभी महिलाओं और लड़कियों को जन्म से प्राप्त हैं, जैसे शिक्षा, समान वेतन, हिंसा से मुक्ति, उत्पीड़न और जबरन श्रम से मुक्त रहना और अपने शरीर के बारे में निर्णय लेने अर्थात प्रजनन का अधिकार, संपत्ति रखने का अधिकार, उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य का अधिकार और राजनीतिक भागीदारी का अधिकार आदि है महिला अधिकार न केवल महिलाओं के लिए अपितु समाज में समानता लाने, उन्हें आगे बढ़ाने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए भी ज़रूरी हैं जिससे समावेशी समाज का निर्माण हो सके।

कान्हा गौशाला का निर्माण कार्य लम्बित पाए जाने पर डीएम हुए नाराज

अखंड भारत संदेश

उजागर हुई अधिशासी अधिकारी और अवर अभियंता की लापरवाही ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ.अमित पाल ने नगर पालिका परिषद मंझनपुर के वार्ड नंबर-17 में निर्माणाधीन कान्हा गौशाला का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान अधिशासी अधिकारी और अवर अभियंता की बड़ी लापरवाही उजागर हुई है एक इन दोनों अधिकारियों ने ठेकेदार पर यदि कार्यवाही की होती तो कान्हा गौशाला का निर्माण अधर में न लटक गया होता लेकिन इन दोनों अधिकारियों पर निरीक्षण के बाद भी कार्यवाही नहीं हुई है बल्कि ठेकेदार पर कारर्वाई का निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी से निर्माणा धीन परियोजना की जानकारी प्राप्त करते हुए निर्माण कार्य लम्बित पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि और लेबर बढ़ाकर गुणवत्ता के साथ माह अप्रैल,2026 तक कार्य पूर्ण कराई जाय। उन्होंने निर्माण कार्य लम्बित एवं मौके पर केवल 08 लेबर ही कार्य करते हुए पाए जाने पर अधिशासी अधिकारी को ठेकेदार के विरुद्ध कारर्वाई करने के निर्देश दिए।अधिशासी अधिकारी प्रतिभा सिंह ने बताया कि निर्माणाधीन कान्हा गौशाला की लागत रुपए- 01.65 करोड़ है, जिसकी क्षमता 500 गोवंशों की है।02 शेड व चारागोदाम आदि का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। एप्रोच मार्ग का निर्माण कार्य राज्य वित्त से कराया जाएगा। सूत्रों की माने तो निर्माण कार्य से अधिक का बजट ठेकेदार को सरकारी खजाने से दिया जा चुका है।

श्री राम कथा सुनने के लिए पंडाल में उमड़ रही महिला पुरुष भक्तों की भारी भीड़

अखंड भारत संदेश

भरवारी कौशांबी। बसंत पंचमी के पावन उपलक्ष्य में नगर पालिका परिषद भरवारी में चल रही संगीतमई श्री राम कथा महोत्सव के चतुर्थ दिवस सोमवार को देवी अनुपमा रामायणी जी ने श्री राम कथा सुनाते हुए भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया श्री राम कथा में उन्होंने सुनाया कि माता पावती जी ने भगवान शंकर जी से राम कथा सुनाने का निवेदन किया तो भगवान शंकर जी ने माता पावती जी को भगवान श्रीराम के भिन्न-भिन्न अवतारों की कथा सुनाते हुए नारद मोह की कथा सुनाई श्री राम कथा को श्रवण पान करने के लिए भारी संख्या में लोग उपस्थित होकर कथा का लाभ ले रहे हैं । इस श्री राम कथा महोत्सव में मारुति वाच से प्रवेश केसरवानी मुन्ना लाल बोरा अखिलेश कौशल प्रेम नारायण कलेक्टर श्यामू महेश पांडे परसरा वीरेंद्र केसरी विपुल श्रीवास्तव राम

प्रसाद अग्रहरी आशीष अग्रहरी आदि लोग मौजूद रहे श्री राम कथा के पांचवें दिन मंगलवार को राम कथा का पंडाल खचाखच भक्तों से भरा हुआ था भय प्रकट कृपाला दीन दयाला कौशल्या हितकारी जैसे तमाम प्रसंग पर चर्चा कथा वाचिका ने किया नगर में राम भक्ति की बयार बह रही है हरि सुंदर कांड मंडली की तरफ से देवी अनुपमा रामायणी का भव्य स्वागत सत्कार एवं नगद राशि स्वरूप उपहार से सम्मानित किया गया सभी भक्तों ने तालिया बजा कर सम्मान किया इस मौके पर मौजूद लोगों में जगदीश शिवहरे नन्द लाल केशरवानी ओम प्रकाश केशरी भीम चंद्र अखिलेश कौशल अमित कुमार धनंजय कुमारा केशरवानी बीरेंद्र सागर केशरी मेडी लाल लक्ष्मी कांत शर्मा अनीता केशरवानी अंजना केशरवानी प्रीति केशरवानी आदि हजारों भक्त मौजूद थे।

ससुराल गए युवक की रेल लाइन पर मिली लाश

हररायपुर कौशांबी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के कशिया पूरब निवासी पंकज कुमार पटवा उम्र 28 वर्ष पुत्र संतोष कुमार सोमवार को ससुराल गए थे सैनी कोतवाली क्षेत्र के सिराथू रेलवे स्टेशन के पास युवक का रेलवे लाइन पर क्षत विक्षत शव मिला है,रेलवे कर्मचारी की सूचना पर पहुंची रेलवे की जीआरपी पुलिस ने शव के कपड़ों में मिले आधार कार्ड से शिनाख्त की और परिजनों को सूचना देते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। युवक का पत्नी से पहले से विवाद चल रहा था।

वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

कड़ा कौशांबी। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना सैनी पुलिस टीम द्वारा अपराध संख्या 136/2015 धारा 135 विद्युत अधिनियम से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त विमलेश पुत्र सुखराम निवासी हिम्मतपुर माड़ो थाना सैनी को गिरफ्तार किया गया विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया।

सुरक्षा अभियान नुक्कड़ नाटक से राहगीरों को हेलमेट-सीट बेल्ट की अहमियत बताई

कड़ा कौशाम्बी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने बुधवार को सिराथू तहसील के सैनी ओवरब्रिज के नीचे एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इसका उद्देश्य यातायात नियमों के प्रति जन जागरूकता फैलाना था इस दौरान नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में बताया गया नुक्कड़ नाटक के कलाकारों ने अपने अभिनय से दशर्कों को प्रभावित किया नाटक में दर्शाया गया कि कैसे घर पर परिवार के सदस्य इंतजार करते हैं और बिना हेलमेट या सीट बेल्ट के वाहन चलाना स्वयं के साथ साथ परिवार को भी खतरे में डाल सकता है कलाकारों ने सुरक्षा ही बचाव है जैसे नारों के जरिए सुरक्षा का संदेश बुलंद किया विभाग के अधिकारियों ने यातायात नियमों की अनदेखी को सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण बताया उन्होंने दुपहिया वाहन चालकों से हमेशा हेलमेट पहनने चार पहिया वाहन चालकों से अनिवार्य रूप से सीट बेल्ट लगाने और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने का आग्रह किया।

अवैध वालु वाहन पास कराने वाले पासरो का गैंग हुआ सक्रिय

कौशांबी जिले मे बालू के अवैध कारोबार में वाहन पासर गैंग का गिरोह सक्रिय है जो ओवरलोड वाहनों को पास कराने का ठेका लेता है जिन वाहनों से यह गैंग ठेका ले लेता उन वाहनों को जांच के नाम पर नहीं रोका जाता है जिससे थाना पुलिस एआरटीओ और खनन विभाग और यातायात पुलिस से भी उनके संबंधों से इनकार नहीं किया जा सकता पासरो के एक दर्जन गैंग जिले में सक्रिय हैं रात्रि मे अधिकारियो की रैकी कर पासर ओवरलोड बालू वाहनों को पास कराते है बालू पासरो ने महेवा घाट से मूरतगंज और सैनी तक दूसरे तरफ सराय अकिल और उसके आसपास ठिकाना बनाया है विभाग की मिली भगत से जिले मे बीते कई वर्षों से बालू पासर गिरोह सक्रिय हुए हैं आखिर उच्च अधिकारी पासर गैंग के सदस्यों पर और उनसे संबंध रखने वाले विभाग के अधिकारियों पर कब कार्यवाही करेंगे।

2008 में खरीदी गई जमीन में क्रेता विक्रेता की मौत के बाद बेटे बता रहे हैं हुआ फ्राड

अखंड भारत संदेश

मुकदमा लिखवाने के लिए चौकी इंचार्ज ने कोतवाल के नाम पर ले लिया 40 हजार रूपए, मुकदमे में बयान बदलने और समझौते के नाम पर मुकदमा लिखाने वाले और उनके लोगों द्वारा मांग की जा रही है ढाई बीघा जमीन

कौशांबी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत ऊनो गांव में प्रेम नारायण पुत्र तेजपाल सिंह ने आराजी संख्या 289 व आराजी संख्या 306 की बिक्री 11 6 2008 को कालिंदी देवी वा उनकी देवरानी जेठानी के नाम जमीन की बिक्री 60000 और 90000 में किया था जो उप निबंधक के कार्यालय में दर्ज है यह जमीन उस समय राजस्व अभिलेखों में जमीन बिक्री करने वाले प्रेम नारायण के नाम दर्ज थी उनके जीते जी इस जमीन में कभी भी कोई विवाद नहीं हुआ जमीन खरीदने के 11 वर्षों बाद वर्ष 2019 में क्रेती कालिंदी देवी की मौत हो गई और इस जमीन की बिक्री करने वाले प्रेम नारायण की मृत्यु भी जमीन बेचने के 10 वर्षों बाद 4 अगस्त 2018 को हो चुकी है जीते जी जमीन खरीदने और बेचने वालों को इस जमीन की खरीद बिक्री में कोई एतराज नहीं था कहीं शिकायत नहीं की गई कहीं आपत्ति नहीं दर्ज कराई गई। खरीदने और बेचने वाले की मौत होने के 6 वर्ष बाद जमीन खरीदने वाली महिला कालिंदी देवी के बेटे शिव मूरत ने इस जमीन के खरीद और बिक्री को बिना किसी ठोस आधार के फजी साबित कर दिया और दूर के रिश्तेदारों से ब्लैकमेलिंग शुरू कर दी 18 जनवरी 2026 को एक मनगढ़ंत कहानी बनाते हुए मंझनपुर कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र दिया मामले में तत्कालीन टेवा चौकी इंचार्ज नीरज उपाध्याय ने जमीन खरीदने वाली कालिंदी देवी के लड़के शिव मूरत से साठगांठ की चर्चा है कि मुकदमा लिखवाने के लिए चौकी इंचार्ज ने कोतवाल के नाम पर 40 हजार रूपए ले लिया और जिस मामले में खरीदने और बेचने वाले की मौत के बाद कोई मुकदमे का ग्राउंड ही नहीं बनता है उस मामले का मुकदमा जमीन बेचने वाले प्रेम नारायण की मौत के 10 वर्षों बाद उनके दूर के रिश्तेदारों के नाम मंझनपुर कोतवाली में मुकदमा अपराध संख्या 0032 सन 2026 गंभीर धाराओं में दर्ज कर लिया अब सवाल उठता है कि जिस जमीन को खरीदने वाले को जीवित रहते कोई एतराज नहीं था और बेचने वाले को भी जीवित रहते कोई दिक्कत नहीं थी खरीदने बेचने वाले दोनों लोगों की मौत 6 वर्ष पूर्व हो चुकी है तो खरीदने बेचने वाले लोगों की मौत के बाद आखिर इस जमीन की बिक्री में उनके दूर के रिश्तेदार परिवार वालों मुकदमा दर्ज करके पुलिस क्या साबित करना चाहती है बताया जाता है कि कालिंदी देवी की मौत के बाद उनके बेटे के कब्जे से इस जमीन को तहसीलदार ने यह कहकर छीन लिया है यह तालाब की जमीन है इस मामले का मुकदमा भी आयुक्त न्यायिक प्रयागराज मंडल की अदालत में वाद संख्या 31 51 सन 2025 राम मूरत बनाम देवीदीन पांडे आदि लंबित है जिसकी लगातार सुनवाई भी हो रही है कमिश्नर की अदालत में मुकदमा दाखिल होने के बाद तहसीलदार ने अपने को कमिश्नर से बड़ा समझा और जमीन छीन ली कब्जे से जमीन जाने के बाद कालिंदी देवी के बेटे शिव मूरत ने चौकी इंचार्ज टेवा से मदद मांगी चर्चा है कि 40000 का सौदा हुआ चौकी इंचार्ज ने जमीन बेचने वाले प्रेम नारायण की मौत के बाद उनके दूर के रिश्तेदारों पर दबाव बनाया कि इनको जमीन दे दो वरना पूरे रिश्तेदार परिवार को बर्बाद कर देंगे और चौकी इंचार्ज की इसी धमकी के बाद कहानी रचकर चौकी इंचार्ज की साजिश पर शिव मूरत की ओर से जमीन बेचने वाले दूर के रिश्तेदारों के नाम मुकदमा दर्ज हो गया जिससे पूरी पुलिसिया व्यवस्था पर सवाल खड़ा हो रहा है कि आखिर जमीन बेचने के वक्त यदि प्रेम नारायण ने फ्रॉड किया था तो खरीदने वाली कालिंदी देवी ने जीते जी शिकायत क्यों नहीं किया था उनकी मौत हो चुकी है जमीन खरीदने वाली कालिंदी देवी से मौत के बाद पुलिस कैसे बयान लेगी जमीन खरीदने वाली कालिंदी देवी की भी मौत हो गई है यदि उनके साथ हेरा फेरी हुई थी तो कालिंदी देवी मैं जीते जी शिकायत क्यों नहीं दर्ज कराई और उनकी मौत के बाद पुलिस का बयान कैसे लिया जाएगा इतना ही नहीं जमीन की बिक्री करने वाले प्रेम नारायण की मौत के बाद उनके दूर के रिश्तेदारों को मुकदमे में क्यों आरोपी बनाया गया है यह भी बड़ा सवाल खड़ा है। जमीन की खरीद और बिक्री के इस मामले में कालिंदी देवी के बेटे शिव मूरत का कहीं रोल नहीं था लेकिन शिव मूरत ने जमीन बेचने वाले प्रेम नारायण के दूर के रिश्तेदारों के नाम मुकदमा दर्ज करवा करके प्रेम नारायण के रिश्तेदारों का उत्पीड़न शुरू कर दिया है मुकदमे में बयान बदलने और समझौते के नाम पर मुकदमा लिखने वाले शिव मूरत और उनके लोगों द्वारा ढाई बीघा जमीन की मांग की जा रही है आखिर पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज करा कर ब्लैकमेलिंग करने वाले शिव मूरत के कारनामे को क्या विवेचक संज्ञान लेंगे और फजी तरीके से किसी निर्दोष पर मुकदमा दर्ज कराकर ब्लैकमेलिंग का धंधा करने वाले शिव मूरत के कारनामे पर क्या उसकी गिरफ्तारी कराई जाएगी या फिर मुकदमे की आड़ में ब्लैकमेलिंग करने वाले शिव मूरत मौज करते रहेंगे हालांकि निर्दोषों पर मुकदमा लिखाने की साजिश रचने वाले चौकी इंचार्ज टेवा किसी मामले में निलंबित किए जा चुके हैं लेकिन फजी मुकदमा लिखाने और कोतवाल के नाम पर 40000 की वसूली करने वाले चौकी इंचार्ज पर अभी तक कार्यवाही नहीं हुई है मामले को लेकर जमीन बेचने वाले प्रेम नारायण के रिश्तेदार शिव प्रताप सिंह पुत्र घनश्याम सिंह ने पुलिस अधीक्षक समेत तमाम अधिकारियों को शिकायती पत्र देकर संबंधित मुकदमे की निष्पक्ष जांच कर फजी मुकदमा लिखाने वाले शिव मूरत पर कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की है इस प्रकरण में तत्कालीन चौकी इंचार्ज के भी करनामें की जांच हुई तो चौकी इंचार्ज पर भी विभागीय कार्यवाही हो सकती है।

न्यूज झरोखा

व्यापारी पुत्र के अपहरण के बाद हत्या के विरोध में व्यापारियों ने निकाला कैंडल मार्च

भरवारी कौशांबी। चित्रकूट जनपद के बरगढ़ में व्यापारी अशोक केसरवानी के पुत्र आयुष केसरवानी का फिरौती के लिए अपहरण किए जाने के बाद उसकी हत्या किए जाने से व्यापारी समुदाय आक्रोशित है जन उद्योग व्यापार संगठन के नेतृत्व में एकत्रित हुए सैकड़ो व्यापारियों ने बुधवार को भरवारी रेलवे क्रॉसिंग पर कैंडल मार्च निकालकर हत्यारों को फांसी दिए जाने की मांग की है इस दौरान नीरज अरुण ओम प्रकाश सहित तमाम व्यापारी मौजूद रहे।

कोखराज थाना का एसपी ने किया वार्षिक निरीक्षण

कोखराज कौशांबी पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने दिनांक 28.01.2026 को थाना कोखराज का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर,कार्यालय अभिलेखों मालखाना, हवालात,शस्त्रागार, सीसीटीवी व्यवस्था बैरक भोजनालय एवं साफ-सफाई की स्थिति का गहन अवलोकन किया। पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध अभिलेखों, विवेचनाओं की प्रगति, लंबित प्रकरणों,महिला अपराधों से संबंधित मामलों,शिकायतों के निस्तारण बीट प्रणाली,रजिस्टरों के रख-रखाव एवं कानून-व्यवस्था से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की गई तथा आईजीआरएस रजिस्टर से निस्तारित प्रकरण के आवेदक से बात कर फीडबैक लिया गया निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारी एवं कमर्चारियों को कर्तव्यनिष्ठा,अनुशासन,जनसुनवाई की प्रभावशीलता बनाए रखने, समयबद्ध एवं निष्पक्ष विवेचना सुनिश्चित करने तथा शासन द्वारा चलाए जा रहे अभियानों को प्राथमिकता के साथ क्रियान्वित करने के निर्देश दिए गए ।साथ ही पुलिस अधीक्षक द्वारा थाने की कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी सिराथू भैया संतोष सिंह कोखराज कोतवाल चंद्रभूषण मौर्य व अन्य अधिकारी कमर्चारी मौजूद रहे ।

सऊदी अरब में कौशांबी के युवक की मौत परिजनों ने लगाई शव वापस लाने की गुहार

कड़ा कौशाम्बी सिराथू तहसील के नब्बे गांव निवासी संजय कुमार सरोज की सऊदी अरब में मौत की खबर घर पहुंची तो कोहराम मच गया संजय पिछले कई वर्षों से वहां ड्राइवर की नौकरी कर रहे थे परिजनों के मुताबिक 26 जनवरी को आखिरी बार उनकी फोन पर बात हुई थी लेकिन आज अचानक उनकी मौत की सूचना मिली संजय की मौत से परिवार पूरी तरह टूट चुका है उनकी तीन बेटियां एक बेटा और पत्नी बदहवास हैं ग्रामीणों ने बताया कि संजय ही घर के इकलौते कमाऊ सदस्य थे परिजनों ने आरोप लगाया है कि उन्हें अभी तक मौत के स्पष्ट कारणों की जानकारी नहीं दी गई है। बेबस परिवार ने अब प्रशासन और सरकार से मदद की गुहार लगाई है ताकि संजय का पार्थिव शरीर जल्द से जल्द गांव लाया जा सके और उनकी मौत की सच्चाई सामने आ सके।

आमजनता का मूल मुद्दों से ध्यान भटका रही भारतीय जनता पार्टी : गौरव पाण्डेय

कौशाम्बी जनपद के चायल तहसील के अंतर्गत तिल्हापुर ग्राम में कांग्रेस पाटी के द्वारा चलाए गए मनरेगा बचाओ महासंग्राम अभियान के तहत चौपाल लगाकर लोगों को इस योजना के नाम बदले जाने व धीरे धीरे इस योजना को खत्म किए जाने के संदर्भ में अवगत कराया गया.पाटी के जिला अध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने बताया कि भाजपा सरकार के पास अब केवल नाम बदलने के अलावा कोई कार्य नहीं है मनरेगा जो कि देश के गरीब मजदूरों का सहारा थी इस योजना को भी भाजपा धीरे धीरे नाम बदलकर समाप्त करना चाहती है लेकिन हम कांग्रेस जन जनता के नैतिक अधिकार की लड़ाई लड़ेगे और उसका अधिकार उसे दिलाएंगे

प्रशिक्षुओ को यातायात नियमों की दी गई जानकारी

कौशांबी। रिजर्व पुलिस लाइन्स में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के उपलक्ष्य में क्षेत्राधिकारी लाइन्स जनेश्वर प्रसाद पाण्डेय वा सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी तारकेश्वर मल्ल प्रतिसार निरीक्षक देवपाल आरटीसी प्रभारी शिवचरण राम व प्रशिक्षुओ की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें क्षेत्राधिकारी कौशाम्बी व एआरटीओ द्वारा प्रशिक्षुओ को यातायात नियमों की जानकारी व दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की सहायता करने पर मदद करने वाले को सरकार द्वारा प्रोत्साहन धनराशि प्रदान करने व उन्हें विशेष अवसर पर सम्मानित किए जाने की व्यवस्था आदि के सम्बंध में जानकारी देकर यातायात नियमों को पालन करने व दूसरों को प्रेरित करने के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम के अंत मे क्षेत्राधिकारी कौशाम्बी द्वारा सड़क सुरक्षा के सम्बंध में शपथ दिलाई गई।

मिट्टी के अवैध खनन पर अभी तक नहीं हुई कार्यवाही

कौशाम्बी रामबन गमन मार्ग और एअरपोर्ट मार्ग के निर्माण में लगे ठेकेदारों ने सैकड़ो सरकारी संपत्तियों से मिट्टी खोदकर के सड़क में डाल दिया है जिससे अरबो कीमत की सरकारी संपत्ति बर्बाद हो गई है बार-बार शिकायत के बाद केवल कार्यवाही करने की ड्रामेबाजी की बात तक तहसील के अधिकारी सीमित है ठेकेदारों पर मुकदमा नही दर्ज हुआ गिरफ्तारी नहीं हुई है मंझनपुर तहसील के भैरवा गांव में छात्र शक्ति इन्फ्रा लिमिटेड द्वारा किए जा रहे कथित अवैध खनन की खबर सामने आते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया। राजस्व विभाग की टीम से जांच कराई तो जांच के दौरान मौके पर पहुंचे लेखपाल ने अवैध खनन की पुष्टि की, जिसके बाद एसडीएम मंझनपुर ने पूरे प्रकरण की विस्तृत रिपोर्ट तलब कर ली है। लेकिन अभी तक दोषी ठेकेदार पर मुकदमा नहीं दर्ज हुआ गिरफ्तार किए जाने की कार्यवाही नहीं हुई है सवाल खड़े हैं कि अवैध खनन पहले से चल रहा था तो अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई और किन अधिकारियों की लापरवाही संलिप्तता से यह सब चलता रहा।

यूजीसी के नए नियम को बताय काला कानून वापस लेने की मांग

कौशाम्बी यूजीसी के नए नियमों के विरोध में सवर्ण आमी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने मंझनपुर मुख्यालय में प्रदर्शन करते हुए पैदल मार्च निकाला और कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष अभिषेक पांडेय ने नियमों को सवर्ण समाज के लिए काला कानून बताते हुए वापस लेने की मांग की। प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा और भारी पुलिस बल तैनात रहा।

विभिन्न मुद्दों को लेकर किसान संगठन ने की बैठक

महेवा घाट कौशांबी भारतीय किसान यूनियन महात्मा टिकेट गुट के जिला अध्यक्ष चंद्रभूषण वर्मा की अध्यक्षता में जनपद मुख्यालय मंझनपुर में बुधवार को किसानों की बैठक हुई जिसमें किसानों के विभिन्न समस्याओं के समाधान पर चर्चा हुई इस मौके पर दजर्नों किसान नेता मौजूद रहे।

सम्पादकीय

कठपुतली व्यवस्था में गणतंत्र पर खतरा

इस बार यूरोपीय काउंसिल के अध्यक्ष एंतोनियो लुईस सांतोस दा कोस्टा और यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयेन मुख्य अतिथि होंगे। अमेरिका की तरफ से थोपे गए टैरिफ और व्यापार समझौते को लेकर बनाए जा रहे दबाव के बीच यूरोपीय संघ से मुख्य अतिथि बनाने के फैसले को फिर से मोदी सरकार का मास्टर स्ट्रोक करार दिया जा रहा है। खबर है कि यूरोपीय काउंसिल और यूरोपीय कमीशन के साथ भारत ऐसा व्यापार समझौता कर सकता है, जिससे अर्थव्यवस्था को लाभ हो। ऐसा होता है, तो यह वाकई अच्छी बात होगी। वहीं गणतंत्र दिवस की परेड में इस बार जिन हथियारों का प्रदर्शन किया जा रहा है, उनसे पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर की रूह कांप जाएगी, ऐसे शीर्षकों से भी समाचार आ रहे हैं। इन सबके बीच राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाने और वंदे मातरम के लिए राष्ट्रगान जैसे नियम बनाने की भी खबरें हैं। सोचने वाली बात ये है कि क्या गणतंत्र दिवस व्यापार समझौतों और शक्ति प्रदर्शन का अवसर है, सरकारी विज्ञप्तियों में सत्ता के प्रचार का अवसर है या फिर संविधान को बचाए और बनाए रखने की प्रतिबद्धता दिखाने का अवसर है।

सत्ता के हक में चलाई जा रही प्रायोजित खबरों के बीच कुछ और खबरें भी आई हैं, जो संविधान पर बढ़ रहे खतरे को दिखा रही हैं। नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन ने प.बंगाल में चल रही एसआईआर की प्रक्रिया पर कहा है कि एसआईआर अगर सावधानी से और पर्याप्त समय लेकर किया जाए तो यह एक अच्छी लोकतांत्रिक प्रक्रिया हो सकती है, लेकिन इस समय पश्चिम बंगाल में ऐसा नहीं हो रहा है। यह न सिर्फ मतदाताओं के साथ अन्याय है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के साथ भी अनुचित है। गौरतलब है कि श्री सेन किसी पार्टी से संबद्ध नहीं हैं और उनका बौद्धिक स्तर भी काफी ऊंचा है, ऐसे में उनकी बात को गंभीरता से सुना जाना चाहिए।

लेकिन अभी तो उन्हें ही चुनाव आयोग ने नागरिकता साबित करने का नोटिस भेज दिया है। एक खबर दक्षिण भारत के तीन गैरभाजपा शासित राज्यों से है। तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक तीनों राज्यों में राज्यपालों ने सरकार के साथ सीधे टकराव का रास्ता चुना है। तमिलनाडु में राज्यपाल आर एन रवि ने विधानसभा में अभिभाषण पढ़ने से इंकार कर दिया। कर्नाटक में राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र में अपना परंपरागत अभिभाषण केवल तीन वाक्यों (सरकार द्वारा तैयार किए गए विस्तृत भाषण के पहले और आखिरी वाक्यों समेत) में समाप्त कर दिया। और केरल में राज्यपाल राजेन्द्र अर्लेकर ने अपने भाषण से उन हिस्सों को हटा दिया, जिनमें केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना थी। जाहिर है तीनों राज्यपालों ने अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों की जगह मोदी सरकार के प्रति वफादारी को निभाने की राह चुनी। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इस पर लिखा, ''प्रधानमंत्री मोदी खुद को भारत का वायसराय मानते हैं- जो दिल्ली से राज्य सरकारों को रिमोट कंट्रोल से नियंत्रित करने के लिए राज्यपालों का इस्तेमाल करते हैं।

अजित पवार: आरोपों से ऊपर उठे राजनीति के दादा-पुरुष

-ललित गर्ग-

यह खबर केवल एक व्यक्ति के निधन की नहीं है, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति के एक पूरे युग के अचानक थम जाने की सूचना है। 28 जनवरी 2026 की सुबह जब बारामती में हुए विमान हादसे में उपमुख्यमंत्री अजित अनंतराव पवार के असामयिक निधन की पुष्टि हुई, तो वह क्षण केवल पवार परिवार के लिए नहीं, बल्कि समूचे महाराष्ट्र और देश की राजनीति के लिए गहरे शोक और स्तब्धता का कारण बन गया। जिस नेता को लोग अधिकार, अनुभव और निर्णय क्षमता का पर्याय मानते थे, उसका इस तरह अचानक चले जाना सत्ता, प्रशासन और राजनीतिक संतुलन में एक बड़ा रिक्त स्थान छोड़ गया है। एक संभावनाओं भरी महाराष्ट्र की राजनीति एवं राष्ट्रीय विचारों का सफर ठहर गया, उनका निधन न केवल महाराष्ट्र के लिये, भारत की राष्ट्रवादी सोच के लिये बल्कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रवादी राजनीति पर एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। उनके निधन से सहकारी आन्दोलन को भी गहरा धक्का लगा है।

अजित पवार का जीवन किसी राजसी विरासत की सहज कहानी नहीं था। 22 जुलाई 1959 को अहमदनगर जिले के देओली प्रवरा क्षेत्र में जन्मे अजित पवार ने जीवन को बहुत करीब से संघर्ष करते हुए देखा। उनके पिता अनंतराव पवार फिल्म जगत से जुड़े रहे, राजकमल स्टूडियो में काम किया, लेकिन पारिवारिक परिस्थितियां साधारण रहीं। औपचारिक शिक्षा माध्यमिक स्तर तक ही सीमित रही, किंतु जीवन की व्यावहारिक पाठशाला ने उन्हें वह सिखाया जो बड़े-बड़े शैक्षणिक संस्थान भी नहीं सिखा पाते। शायद यही कारण रहा कि अजित पवार की राजनीति किताबों से नहीं, जमीन से निकली हुई राजनीति थी, जिसमें किसानों की पीड़ा, सहकारी संस्थाओं की ताकत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नब्ज साफ दिखाई देती थी। राजनीति में उनका प्रवेश किसी बड़े मंच से नहीं, बल्कि सहकारी आंदोलन की प्रयोगशाला से हुआ। 1982 में मात्र बीस वर्ष की आयु में उन्होंने एक चीनी सहकारी संस्था का चुनाव लड़ा। यह वही दौर था जब महाराष्ट्र की राजनीति में सहकारी संस्थाएं सत्ता की रीढ़ मानी जाती थीं। अजित पवार ने बहुत जल्दी समझ लिया कि यदि ग्रामीण महाराष्ट्र को साधना है तो उसे बैंक, चीनी मिल, सिंचाई और बिजली से जोड़ना होगा। यही समझ आगे चलकर उनकी राजनीतिक पहचान की सबसे बड़ी ताकत बनी।

1991 अजित पवार के राजनीतिक जीवन का निर्णायक वर्ष रहा। पुणे जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष बनने के साथ ही उन्होंने वित्तीय प्रशासन और संगठन संचालन में अपनी दक्षता का परिचय दिया। सोलह वर्षों तक इस पद पर बने रहना अपने आप में उनकी विश्वसनीयता और पकड़ को दशार्ता है। उसी वर्ष बारामती से लोकसभा के लिए निर्वाचित होना उनके बढ़ते कद का प्रमाण था, लेकिन उन्होंने यह सीट अपने चाचा शरद पवार के लिए छोड़ दी। यह फैसला केवल पारिवारिक निष्ठा का नहीं, बल्कि राजनीतिक दूरदृष्टि का भी उदाहरण था। इसके बाद विधानसभा में प्रवेश और फिर लगातार बारामती से जीत ने उन्हें जनाधार का वह आधार दिया, जिसे महाराष्ट्र की राजनीति में विरले ही कोई चुनौती दे सका। अजित पवार को सत्ता के गलियारों में पहुंचाने वाली सबसे बड़ी विशेषता उनकी प्रशासनिक पकड़ थी। कृषि, बागवानी, बिजली और जल संसाधन जैसे कठिन और संवेदनशील विभागों को संभालते हुए उन्होंने विकास और विवाद दोनों को नजदीक से जिया। जल संसाधन मंत्री के रूप में कृष्णा घाटी और कोकण सिंचाई परियोजनाओं से उनका नाम जुड़ा। इन

परियोजनाओं ने जहां किसानों के लिए पानी और उम्मीद का संदेश दिया, वहीं आलोचनाओं और आरोपों का बोझ भी उनके कंधों पर रखा। इसके बावजूद वे उन नेताओं में रहे जो फाइलों से नहीं, फैसलों से पहचाने जाते थे।

उपमुख्यमंत्री के रूप में उनका सफर महाराष्ट्र की राजनीति में एक अनोखा अध्याय है। छह बार इस पद तक पहुंचना केवल राजनीतिक संयोग नहीं था, बल्कि सत्ता संतुलन, गठबंधन राजनीति और संगठनात्मक ताकत का परिणाम था। वे सरकार में अक्सर संकटमोचक की भूमिका में दिखे। बजट, वित्तीय प्रबंधन और संसदीय रणनीति में उनकी पकड़ ऐसी थी कि विरोधी भी उनके अनुभव को नजरअंदाज नहीं कर पाते थे। उन्हें महत्वाकांक्षी कहा गया, कभी-कभी कठोर और रूखे स्वभाव का नेता भी बताया गया, लेकिन यह भी सच है कि सत्ता की वास्तविकता को वे भावनाओं से नहीं, निर्णयों से देखते थे। विवाद उनके राजनीतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे। सिंचाई घोटाले से लेकर बयानबाजी तक, कई मौके ऐसे आए जब उनकी छवि पर प्रश्नचिह्न लगे। ह्लअगर बांध में पानी नहीं है तो क्या पेशाब करके भरें?ह्व जैसे बयान ने उन्हें आलोचनाओं के केंद्र में ला खड़ा किया। उन्होंने माफी भी मांगी, सफाई भी दी और समय के साथ उन विवादों से उबरते हुए फिर सत्ता के शीर्ष पर लौटे। यह उनकी राजनीतिक जिजीविषा का प्रमाण था कि आलोचना और आरोप उन्हें रोक नहीं पाए। शरद पवार के साथ उनके रिश्ते को लेकर भी हमेशा चचाएं रहीं। कभी मतभेद, कभी दूरी और कभी सियासी अलग राह की अटकलें। लेकिन अजित पवार स्वयं को हमेशा शरद पवार का अनुयायी बताते रहे। उन्हें मिला ह्लदादाह्व का संबोधन केवल पारिवारिक नहीं था, बल्कि वह एक राजनीतिक ब्रांड बन चुका था, जो उनके समर्थकों में भरोसे और नेतृत्व की भावना जगाता था। वे संगठनकर्ता भी थे और प्रशासक भी, रणनीतिकार भी और जमीनी नेता भी। उन्हें अपनी विविध आयामी भूमिकाओं से अपने को मिले ह्यदादाह्न के अलंकरण को सार्थक भी किया और जीवंतता भी दी। उनका असामयिक निधन एक क्रूर विडंबना है। जिस नेता ने दशकों तक सत्ता की उड़ान भरी, उसकी जीवन यात्रा एक विमान हादसे में थम गई। कहा जाता है कि दुर्घटना से कुछ समय पहले तक वे पूरी तरह सक्रिय थे, योजनाओं, बैठकों और राजनीतिक समीकरणों में व्यस्त। यह अचानक आई मृत्यु उस अनिश्चितता को रेखांकित करती है, जो सत्ता और जीवन दोनों के साथ जुड़ी है।

अजित पवार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व सफल राजनेता, समाज निमार्ता, ग्राम-उद्धारक, सहकारी आन्दोलन पुरोधा, कुशल प्रशासक के रूप में अनेक छवि, अनेक रंग, अनेक रूप में उभरकर सामने आता हैं। आपके जीवन की दिशाएं विविध एवं बहुआयामी थीं। आपके जीवन की धारा एक दिशा में प्रवाहित नहीं हुई, बल्कि जीवन की विविध दिशाओं का स्पर्श किया। यही कारण है कि कोई भी महत्त्वपूर्ण क्षेत्र आपके जीवन से अछूता रहा हो, संभव नहीं लगता। आपके जीवन की खिड़कियाँ समाज एवं राष्ट्र को नई दृष्टि देने के लिए सदैव खुली रही। उनकी सहजता और सरलता में गोता लगाने से ज्ञात होता है कि वे राजनीतिक सरोकार से ओतप्रोत एक अल्हड़ एवं साहसिक व्यक्तित्व थे। बेशक अजित पवार अब इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन अपने जुझारु राजनीति जीवन के दम पर वे हमेशा भारतीय राजनीति एवं राष्ट्रवादी सोच के आसमान में एक सितारे की तरह टिमटिमाते रहेंगे।

आज जब महाराष्ट्र और देश उनके निधन पर शोकाकुल है, तब अजित पवार का मूल्यांकन केवल प्रशंसा या आलोचना के तराजू पर नहीं किया जा सकता। वे विवादों से घिरे रहे, लेकिन उनसे परिभाषित नहीं हुए। उनकी राजनीति कठोर थी, लेकिन उसमें अनुभव की गहराई थी। वे लोकप्रियता से अधिक प्रभाव में विश्वास रखते थे। शायद यही कारण है कि उनके जाने से महाराष्ट्र की राजनीति में एक ऐसा सन्नाटा है, जिसे शब्दों में बांधना कठिन है। अजित पवार का जीवन यह सिखाता है कि राजनीति केवल भाषणों और नारों से नहीं चलती, बल्कि निर्णय, जोखिम और जिम्मेदारी से चलती है।

भारत में गणतंत्र की चुनौतियां, विफलताएं और समाधान

अरुण डनायक

कौशल विकास केंद्र, नर्सिंग, चिकित्सा शिक्षा और तकनीकी महाविद्यालयों में विस्तार के बावजूद गुणवत्ता नियंत्रण की उपेक्षा स्पष्ट है। सीटों की संख्या बढ़ी है, लेकिन प्रशिक्षण और संसाधनों की कमी के कारण जनता गुणवत्तापूर्ण सेवाओं और सामाजिक विकास के लाभ से वंचित रही है। जाति, धर्म, भाषा और वर्ग के आधार पर सामाजिक विभाजन लोकतंत्र की एकता के लिए खतरा हैं।

26 जनवरी 1950 को संविधान लागू कर भारत ने स्वयं को संप्रभुता-संपन्न और लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया। यह केवल औपनिवेशिक शासन से मुक्ति का उत्सव नहीं था, बल्कि यह नैतिक और राजनीतिक संकल्प भी था कि सत्ता वंशगत स्वामित्व में नहीं होगी, बल्कि संविधान के अधीन जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों के माध्यम से संचालित होगी। लेकिन आज भारत में लोकतंत्र गहरे संकट से गुजर रहा है। लोकतंत्र केवल चुनाव कराने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि संविधान की आत्मा को साकार करने वाला संतुलित तंत्र है, जिसमें विधायिका, न्यायपालिका, कार्यपालिका और नागरिक समाज की भूमिका होती है। विगत कुछ वर्षों में यह संतुलन कई मोर्चों पर धंसता दिख रहा है, जिससे गणतंत्र की मूलभावना कमजोर पड़ी है।

आज लोकतांत्रिक व संवैधानिक संस्थाओं की कार्यवाही में गिरावट स्पष्ट रूप से दिख रही है। संसद की बैठक के दिन घट रहे हैं और महत्वपूर्ण विधेयक बहस के बजाय शोर-शराबे के बीच पारित किए जा रहे हैं। इस संदर्भ में पूर्व उपराष्ट्रपति मोहम्मद हामिद अंसारी का उदाहरण उल्लेखनीय है, जिन्होंने यह सिद्धांत स्थापित किया कि सदन की कार्यवाही यदि नियमों के अनुरूप न हो तो किसी भी विधेयक को पारित कराना संवैधानिक मयार्दा के खिलाफ है, और इसी कारण उन्होंने अव्यवस्थित सदन में विधेयक पारित कराने से इंकार किया।

संसद के पीठासीन अधिकारी का कर्तव्य है कि वे निष्पक्षता बनाए रखें और इसे स्पष्ट रूप से प्रदर्शित भी करें। अक्सर उनके द्वारा सत्तापक्ष को संरक्षण देते हुए विपक्ष की स्थगन प्रस्ताव या चर्चा संबंधी मांगें खारिज कर दी जाती हैं। इससे न केवल निर्णय-प्रक्रिया अपूर्ण होती है, बल्कि संसद का विमर्शात्मक चरित्र भी कमजोर होता है। मंत्रियों द्वारा सदन को गुमराह किये जाने पर उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाया जा सकता है। इसके बावजूद मंत्री अक्सर गलत जानकारी सदनपटल पर रखते हैं। आज संसद संवाद के मंच के बजाय एक औपचारिक संस्था बनती जा रही है, जिसके परिणामस्वरूप सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच अविश्वास गहराता जा रहा है।

गणतंत्र की विफलताओं में एक बड़ा कारण पर्यावरण और विकास नीतियों पर संसद में गंभीर और प्रभावी विमर्श की कमी है। पिछले दशक में 'तेज विकासइ की प्राथमिकता ने हिमालयी क्षेत्रों और पूर्वोत्तर भारत में पर्यावरणीय संतुलन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। उत्तराखंड की चार धाम सड़क परियोजना और कश्मीर में सुरंग निर्माण ने पहाड़ों की अनियंत्रित कटाई और विस्फोटक प्रयोग से ढलानों की स्थिरता नष्ट की, जिससे भूस्खलन और जमीन धंसने की घटनाएं बढ़ीं। सात बहनों के पूर्वोत्तर भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों के चौड़ीकरण ने वनों, पहाड़ी ढलानों और नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को प्रभावित किया, जिससे स्थानीय आबादी और यातायात की सुरक्षा खतरे में पड़ गई।

यह स्पष्ट करता है कि विकास योजनाएं दूरदर्शिता के बजाय केवल सड़क निर्माण तक सीमित रह गईं।

विकास की अदूरदर्शिता का स्पष्ट उदाहरण हवाई संपर्क विस्तार है। 'उड़ानइ योजना के तहत 2016 के बाद सैंकड़ों मार्ग और 70 से अधिक हवाई अड्डे चालू किए गए, लेकिन कई व्यावसायिक रूप से टिकाऊ नहीं हो पाए। दिसंबर 2025 तक जोड़े गए लगभग दो दर्जन हवाई अड्डे, जैसे पठानकोट, शिमला, लुधियाना और राउरकेला, अस्थायी या पूर्णतः बंद रहे। उत्तर प्रदेश, झारखंड और बिहार में खोले गए कई हवाई अड्डों पर भी नियमित उड़ानें नहीं चल सकीं, और एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के दर्जनों हवाई अड्डों ने भारी घाटा उठाया। यह दशार्ता है कि केवल हवाई अड्डे बनाना विकास नहीं, बल्कि दिखावटी उपलब्धि बनकर रह जाता है।

यदि इन विकास परियोजनाओं पर पहले संसद में गंभीर बहस होती और जनता व विशेषज्ञों से व्यापक विमर्श किया जाता, तो पर्यावरणीय खतरे और दुर्घटनाओं को काफी हद तक रोका जा सकता था। उच्चतम न्यायालय का समय पर हस्तक्षेप, जैसा कि हाल ही में अरावली पर्वत मामले में हुआ, ढलानों और नदियों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता था। भारत में संवैधानिक और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की अनदेखी ने गणतंत्र को कमजोर किया और हमें असुरक्षित तथा अधूरे विकास के मार्ग पर डाल दिया।

कौशल विकास केंद्र, नर्सिंग, चिकित्सा शिक्षा और तकनीकी महाविद्यालयों में विस्तार के बावजूद गुणवत्ता नियंत्रण की उपेक्षा स्पष्ट है। सीटों की संख्या बढ़ी है, लेकिन प्रशिक्षण और संसाधनों की कमी के कारण जनता गुणवत्तापूर्ण सेवाओं और सामाजिक विकास के लाभ से वंचित रही है। जाति, धर्म, भाषा और वर्ग के आधार पर सामाजिक विभाजन लोकतंत्र की एकता के लिए खतरा हैं। आर्थिक असमानता, बेरोजगारी और बुनियादी मानव सुविधाओं जैसे शुद्ध पेय जल, पक्के आवास और सस्ता सार्वजनिक परिवहन में असमान अवसर लोकतंत्र को जन-विश्वास की कमी की ओर ले जा रहे हैं। गणतंत्र तभी सफल कहा जा सकता है जब सभी नागरिक – ग्रामीण, दलित, महिला, पिछड़ा वर्ग या आदिवासी – शासन के निर्णयों और नीतियों में संतुलित रूप से शामिल हों।

आज सांसदों और विधायकों को प्रभावित करने के लिए नए-नए राजनीतिक हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। चुनाव आयोग, सतर्कता आयोग, सूचना आयोग और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक जैसी संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता कमजोर हुई है, जबकि ईडी और सीबीआई का उपयोग विपक्ष पर दबाव बनाने के औजार के रूप में बढ़ा है। इसके परिणामस्वरूप परियोजनाओं की निष्पक्ष जांच, भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण और सूचना के पारदर्शी प्रवाह पर प्रतिकूल असर पड़ा है, जिससे राष्ट्रीय संसाधनों के वित्तीय दुरुपयोग से जुड़े मामलों में वृद्धि हुई और संसद का प्रभावी नियंत्रण क्षीण हो गया। यह हमारे गणतंत्र की एक गंभीर विफलता है।

लोकतंत्र की असली कसौटी यह है कि सत्ता का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचे। यदि यह केवल शहरों सीमित रह जाए, तो गणतंत्र की मूलभावना अधूरी रह जाती है। इसलिए नीति-निर्माण में स्थानीय समुदायों, ग्राम पंचायतों की सहभागिता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना उतना ही आवश्यक है जितना राज्यों और केंद्र के बीच संतुलन बनाए रखना।

भारत का गणतंत्र अभी अधूरी यात्रा पर है और तभी पूर्ण होगा जब नागरिकों की सशक्त, सुशिक्षित और प्रभावी सहभागिता लोकतंत्र की असली नींव के रूप में सुनिश्चित हो।

महात्मा गांधी के आदर्शों की अनदेखी के कारण हमारा गणतंत्र वांछित लक्ष्यों तक नहीं पहुंच पाया। आज उनकी सलाह–लोक सेवकों द्वारा सरल जीवन-शैली अपनाना, सार्वजनिक धन का विवेकपूर्ण उपयोग करना और पंचायतों के माध्यम से ग्रामीण विकास में जनता की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना–को लागू कर लोकतंत्र की नींव को सशक्त बनाया जा सकता है। गणतंत्र की सच्ची जीत तब होगी जब सत्ता का लाभ हर नागरिक तक पहुंचे, नीति-निर्माण में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, पारदर्शिता और जवाबदेही हो, और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा सुनिश्चित की जाए।

यह मिस्टर सिस्टम कौन हैं?

शकील अख्तर

अब जब संविधान बदलने की बात हो रही है तो उसमें सबसे ऊपर कर्तव्य रखे जाएंगे। और उन्हें ज्यादा वजन देने के लिए जन्मजात कर्तव्य कह दिया जाएगा। तो वह कर्तव्य करे, सरकार उसका फायदा उठाए, अधिकार साहब को और ताकतवर बनाए और उस की जब कोई समस्या आए तो उसका दोष सिस्टम का बता दिया जाए।

यह मिस्टर सिस्टम कौन हैं? संसद में सवाल लगाया जाना चाहिए! अभी 28 जनवरी से बजट सत्र शुरू हो रहा है। उसमें सरकार से पूछा जाना चाहिए कि अगर हर समस्या, मौत का दोषी यह सिस्टम है तो इसके खिलाफ क्या कार्रवाई की जा रही है?

अभी नोएडा में एक युवा इंजीनियर युवराज की कार सड़क किनारे खोदे गए गड्ढे में चली गई। वह दो घंटे तक संघर्ष करता रहा सड़क पर तमाम सरकारी एजेंसियों के अधिकारी, पुलिस, फायर ब्रिगेड खड़े रहे। मध्यमवर्गीय जनता वीडियो बनाती रही। युवराज का पिता वहां अपने लड़के को बचाने की गुहार लगाता रहा। पानी में कार की छत पर युवराज खुद सहायता के लिए चिल्लाता रहा। मगर कोई मशीन, क्रेन, बुलडोजर नहीं आया। एक आम आदमी मुनीन्द्र पानी में उतरा। मगर अकेला था बिना किसी की मदद के कुछ नहीं कर पाया।

बाद में पुलिस ने उसी से पूछताछ की पांच घंटे थाने में बिठाए रखा। अभी भी एसआईटी कर रही है। हद है। हर जगह आम आदमी के साथ यही होता है। और हर बार वह गरीब सबकी सहायता करने के लिए दौड़ता है। मगर वही गरीब सरकार से लेकर बड़े लोगों के निशाने पर हमेशा रहता है। उसका हर दुर्घटना में बिना अपनी जान की परवाह किए मदद के लिए भागना उसका कर्तव्य माना जाता है। यह जो आजकल प्रधानमंत्री मोदी जी रोज कर्तव्य का पाठ पढ़ाते हैं वह उसी के लिए होता है। वह कभी अपना सबक भूले नहीं इसीलिए सड़क का नाम बदलकर कर्तव्य पथ कर दिया, कर्तव्य भवन बना दिया। एक दिन आम आदमी का नाम कर्तव्य कुमार रख दिया जाएगा। जैसे अभी बजट में कह सकते हैं कि यह बजट हम कर्तव्य कुमार के लिए लाए हैं। जबकि होगा वह अधिकार साहब (अडानी अंबानी) के लिए। गरीब और अमीर के कार्य निर्धारण अब स्पष्ट हो गए हैं। गरीब का काम कर्तव्य करना और अमीर का अधिकार भोगना।

2014 के बाद की यही उपलब्धि है। कर्तव्य कु मार, अधिकार साहब और मिस्टर सिस्टम। पहले गरीब के अधिकारों की ज्यादा बात होती थी। अभी जब आप यह पढ़ रहे होंगे तो गणतंत्र दिवस होगा 26 जनवरी। इसी दिन संविधान लागू हुआ था। जिसका सबसे महत्वपूर्ण अध्याय मौलिक अधिकार है। अंग्रेजी में और ज्यादा वजनदार शब्द है फंडामेंटल राइट्स।

अब जब संविधान बदलने की बात हो रही है तो उसमें सबसे ऊपर कर्तव्य रखे जाएंगे। और उन्हें ज्यादा वजन देने के लिए जन्मजात कर्तव्य कह दिया जाएगा। तो वह कर्तव्य करे, सरकार उसका फायदा उठाए, अधिकार साहब को और ताकतवर बनाए और उस की जब कोई समस्या आए तो उसका दोष सिस्टम का बता दिया जाए।

ढूंढता रहे वह सिस्टम को। और फिर समझ ले कि नियति और सिस्टम एक ही है। नियति से कौन लड़ सकता है? तो सिस्टम से भी कौन लड़ सकता है? दोनों अदृश्य हैं। अमूर्त हैं। जनता को केवल उन्हें स्वीकारना है।

बुलडोजर क्रेनें दूसरी बड़ी-बड़ी मशीनें आदमी की मदद के लिए बनी थीं। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां, उनमें रखी हुई बड़ी बड़ी सीड़ियां। मगर अब विध्वंस के लिए उपयोग होती हैं। मशीनों ने आदमी को बचाना छोड़ दिया। इसीलिए उस रात नोएडा में युवराज को बचाने के लिए किसी मशीन का उपयोग नहीं किया गया। हां अगर वहां कुछ बरबाद करना होता तो देखते किस तरह बुलडोजरों को उपयोग में लाया जाता।

नोएडा की घटना कोई पहली नहीं है जहां सारा दोष सिस्टम पर मढ़कर जनता को यह समझने ही नहीं दिया गया कि गलती किसकी है। इससे पहले इंदौर में दूषित पानी पीकर 27 लोग मर चुके हैं। मरने वालों की संख्या बढ़ती चली जा रही है। लोग बीमार हैं। सारा दोष यहां भी सिस्टम का है। उचित इलाज मिल नहीं रहा। और यहां तो एक ऐसा कारनामा हुआ जो अपने आप में अनोखा है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मीडिया पूछता है आप क्या आर्थिक मदद करेंगे? इन्दौर में जिस इलाके भगीरथपुरा में हुआ वहां का विधायक सत्तारुढ़ पार्टी भाजपा का। कैलाश विजयवर्गीय। राज्य सरकार में मंत्री हैं। वहां पत्रकार से कहते हैं फालतू सवाल मत पूछो। पत्रकार कहता है मैं वहां होकर आया हूं। तो कहते हैं घंटा होकर आए हो।

तो विधायक उनका। इन्दौर का सांसद उनका। शंकर लालवानी। मगर इन्दौर में कहा जा रहा है कि वह इतने लोगों के मर जाने के बाद भी भगीरथपुरा गए ही नहीं। सांसद परिवारों का सांत्वना देने भी न जाए? कई तरह की चचाएं हैं। कहा जा रहा है कि कैलाश विजयवर्गीय के विधानसभा क्षेत्र में किसी को उनकी मर्जी के बिना जाने की अनुमति नहीं है। खुद सांसद डरे हुए हैं। नहीं डरीं तो सुमित्रा महाजन जिन्हें हटाकर ही लालवानी को लाया गया था। उन्होंने कहा कि राहुल को आना चाहिए। नहीं तो मुख्यमंत्री से लेकर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय तक राहुल के आने का विरोध कर रहे थे।

तो हम बता रहे थे कि विपक्ष से पूछा जा रहा है पैसे दोगे? और राहुल गांधी ने पैसे दिए। प्रत्येक मृतक के परिवार को डेढ़-डेढ़ लाख रुपए। कितने इंजन की सरकार हैं वहां? विधायक, सांसद, इन्दौर का मेयर पानी जिसकी जिम्मेदारी में आता है, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री सब उनके।

और पैसा विपक्ष का नेता राहुल गांधी देता है। एक बार भी भाजपा के इतने इंजन हैं वहां किसी से यह नहीं कहा गया कि आप क्यों देंगे। जितनी जरूरत होगी हम देंगे।

43 करोड़ के ट्रेजरी घोटाले में बड़ा मोड़, बिना भुगतान महिला आरोपी को हाईकोर्ट से राहत

- युवा अधिवक्ता की दलीलों से बदला पासा
- लक्ष्मी देवी को मिली नियमित जमानत
- खाते में करोड़, जानकारी शून्य

अखंड भारत संदेश

युवा अधिवक्ता क्रांति किरण पांडेय

चित्रकूट। यह मामला सिर्फ जमानत का नहीं, बल्कि ट्रेजरी घोटाले की परतें खोलने वाला एक अहम मोड़ बनकर सामने आया है। करोड़ों रुपये के सरकारी धन की अनियमित अदायगी से जुड़े चर्चित ट्रेजरी घोटाले में अभियुक्ता लक्ष्मी देवी को माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद से नियमित जमानत मिलना पूरे मामले में नई बहस को जन्म दे गया है। दिनांक 28 जनवरी 2026 को लक्ष्मी देवी की जमानत याचिका पहली बार उच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत हुई, जिसमें उनके खाते में ट्रेजरी से एक करोड़ इक्कीस लाख सत्रह हजार तीन सौ तिरपन रुपये की कथित अनियमित भुगतान राशि का गंभीर आरोप था। सुनवाई के दौरान याची की ओर से युवा अधिवक्ता क्रांति किरण पांडेय ने प्रभावशाली ढंग से तर्क रखते हुए न्यायालय को अवगत कराया कि भले ही यह धनराशि अभियुक्ता के खाते में आई हो, लेकिन लक्ष्मी देवी स्वयं इस भुगतान से पूर्णतः अनजान थीं। उन्होंने बताया कि अभियुक्ता मात्र हस्ताक्षर कर सकती हैं और इतनी शिक्षित नहीं हैं कि खाते के लेन-देन को पढ़ या समझ सकें। अधिवक्ता का यह भी कहना था कि पूरे प्रकरण में खाते का इस्तेमाल तो लक्ष्मी देवी के नाम पर हुआ, लेकिन उसका संचालन किसी अन्य व्यक्ति या उनके पुत्र दीपक द्वारा किया गया। अदालत में प्रस्तुत इन तथ्यों और तर्कों के आधार पर न्यायालय ने पहली ही सुनवाई में अभियुक्ता को नियमित जमानत प्रदान कर दी। उल्लेखनीय है कि चित्रकूट के इसी ट्रेजरी घोटाले में अभियुक्ता जोगवा को जहां केवल अंतरिम जमानत मिली है, वहीं अभियुक्त बलवंत को धनराशि जमा करने के बाद ही राहत नसीब हुई। ऐसे में लक्ष्मी देवी अब तक की पहली महिला अभियुक्ता बन गई हैं, जिन्हें बिना किसी राशि के भुगतान के सीधे नियमित जमानत मिली है। यह आदेश न केवल कानून की बारीकियों को रेखांकित करता है, बल्कि यह भी सवाल खड़ा करता है कि आखिर करोड़ों की सरकारी रकम किन हाथों से और कैसे ठिकाने लगाई गई। बताते चलें कि इसी घोटाले में पहला स्टे भी अधिवक्ता क्रांति किरण पांडेय की प्रभावी बहस पर ही मिला था, जो आज भी कई फाइलों में सक्रिय है और अनेक अभियुक्तों को राहत पहुंचा चुका है।

समाज को जोड़ने नहीं तोड़ने का वक्त, यूजीसी कानून पर भड़के जिला प्रभारी रामप्रकाश

- यूजीसी कानून पर वकीलों का वार
- राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजेंगे रामप्रकाश

अखंड भारत संदेश

एडवोकेट काउंसिल ऑफ इंडिया के जिला प्रभारी रामप्रकाश पाण्डेय

चित्रकूट। यूजीसी कानून को लेकर देशभर में उठती बहस के बीच एडवोकेट काउंसिल ऑफ इंडिया के जिला प्रभारी रामप्रकाश पाण्डेय एडवोकेट ने इस कानून पर तीखी और स्पष्ट प्रतिक्रिया देते हुए इसे समाज में आपसी भाईचारे को आहत करने वाला करार दिया है। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि यह कानून सामाजिक समरसता को मजबूत करने के बजाय दुराभाव और मतभेद को बढ़ावा देने वाला है, जिसकी वर्तमान परिस्थितियों में कोई आवश्यकता नहीं है। रामप्रकाश पाण्डेय ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता तथा भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता में पहले से ही ऐसे तमाम प्रावधान मौजूद हैं, जिनके माध्यम से आवश्यक विषयों का समाधान किया जा सकता है, लेकिन सरकार का ध्यान उन बुनियादी मुद्दों पर नहीं जा रहा जहां वास्तविक बदलाव की जरूरत है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब देश को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, उच्च स्तरीय शिक्षा, रोजगार और जनसुविधाओं की सख्त जरूरत है, तब समाज को बांटने वाले कानून लाने की प्राथमिकता क्यों दी जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ऐसे कानूनों के जरिए लोकलुभावन वादों पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जो दीर्घकाल में समाज और देश दोनों के लिए घातक साबित हो सकते हैं। रामप्रकाश पाण्डेय ने चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसे कानूनों का दुरुपयोग भी संभावित है, जिससे सामाजिक तनाव और अविश्वास का माहौल पैदा हो सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह शीघ्र ही राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन भेजेंगे और आग्रह करेंगे कि इस कानून को वापस लिया जाए, ताकि देश में आपसी भाईचारा, सौहार्द और सामाजिक संतुलन कायम रह सके।

स्वच्छता की कसौटी पर खरे उतरे आठ विद्यालय, डीएम ने किया सम्मानित

स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग पर 08 विद्यालयो को प्रमाण पत्र वितरित करते डीएम

अखंड भारत संदेश

- 1893 में सिर्फ 8 चयनित
- पाँच सितारों की दौड़ में जिले के विद्यालय

चित्रकूट। जिले में शिक्षा के साथ स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की मजबूत तस्वीर उस वक्त उभरकर सामने आई जब जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने मंगलवार को स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग 2025-26 के अंतर्गत चयनित 08 विद्यालयों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। यह राज्य स्तरीय अभियान स्व-मूल्यांकन आधारित था, जिसमें प्रदेश के विद्यालयों का 60 मानकों पर गहन परीक्षण किया गया। मूल्यांकन की धुरी जल उपलब्धता, स्वच्छ व दिव्यांग-अनुकूल शौचालय, हाथ धुलाई की व्यवस्था, अपशिष्ट प्रबंधन, परिसंपत्तियों का रखरखाव, व्यवहार परिवर्तन, छात्र सहभागिता, ईको क्लब की सक्रियता और मिशन लाइफ के अनुरूप हरित पहलें रहीं। विद्यालयों ने वेब पोर्टल और मोबाइल एप के माध्यम से यू-डायल कोड व पंजीकृत मोबाइल नंबर से सर्वे पूर्ण किया। जिला स्तर पर जांच के बाद राज्य स्तर से जनपद के 08 विद्यालयों को 5 से 1 स्टार श्रेणी में स्थान मिला, जबकि जिले के कुल 1893 विद्यालयों में से केवल ये आठ ही मानक पर खरे उतरे। चयनित विद्यालयों में मानिकपुर, चित्रकूट, कर्वी और पहाड़ी विकासखंडों के परिषदीय, मान्यता प्राप्त और नवोदय विद्यालय शामिल हैं। यह उपलब्धि जिले के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और हरित भविष्य की दिशा में एक प्रेरक कदम मानी जा रही है।

जिले में आस्था के मार्ग पर विकास की दस्तक, दो सिद्ध पीठों को मिली नई सड़क

चित्रकूट। जिले की धार्मिक पहचान को नई रफ्तार देते हुए शासन ने आस्था और विकास के संगम पर बड़ा फैसला लिया है। धर्मार्थ कार्य योजना के तहत जनपद के दो प्रमुख तीर्थ मार्गों के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण को 27 जनवरी को स्वीकृति प्रदान की गई है। अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग, कर्वी के अनुसार ग्राम तरौंहा से झारखण्डी माता मंदिर होते हुए मध्य प्रदेश बार्डर तक 2.400 किमी लंबे मार्ग के चौड़ीकरण पर 119.73 लाख रुपये तथा नांदी से बड़े हनुमानजी मंदिर (एसएच-133) तक 0.950 किमी मार्ग के लिए 211.21 लाख रुपये की लागत स्वीकृत की गई है। झारखण्डी माता मंदिर प्राचीन एवं चमत्कारी सिद्ध पीठ मानी जाती है, जहां शारदीय व चैत्र नवरात्रि में नौ दिनों तक विशेष पूजा-अर्चना के साथ हजारों श्रद्धालु उमड़ते हैं। वहीं नांदी स्थित बड़े हनुमानजी मंदिर की मान्यता गोस्वामी तुलसीदास से जुड़ी है, जहां आज भी चरणों से निरंतर बहती जलधारा श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। इन मार्गों के सुदृढ़ीकरण से तीर्थ यात्रियों को सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन मिलेगा, जिससे धार्मिक पर्यटन को नई ऊंचाई मिलेगी।

किसान दिवस पर चित्रकूट में नैनो उर्वरक क्रांति धरती माता बचाओ अभियान को नई धार

किसान दिवस पर किसान यूनियन के अध्यक्ष को किट सौंपते उप कृषि निदेशक राजकुमार

अखंड भारत संदेश

- रासायनिक निर्भरता से मुक्ति का रास्ता
- जिले में नैनो उर्वरक प्रशिक्षण

चित्रकूट। जनपद में 28 जनवरी को किसान दिवस के अवसर पर कृषि विभाग द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में धरती माता बचाओ अभियान के अंतर्गत एक प्रभावशाली और दूरगामी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड के सहयोग से जनपद के कृषि विभाग के अधिकारियों के लिए एक दिवसीय नैनो उर्वरक प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कृषि से जुड़े विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, किसान, किसान यूनियन के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में जागरूक कृषक उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने संतुलित उर्वरक प्रयोग पर जोर देते हुए कहा कि मिट्टी, पानी और पर्यावरण की रक्षा ही टिकाऊ खेती की असली पहचान है। जिला कृषि अधिकारी आरपी शुक्ला के कुशल संचालन में किसानों को रासायनिक उर्वरकों के सीमित उपयोग, वैकल्पिक उर्वरकों और नैनो तकनीक के लाभों की विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम की विशेष आकर्षण कलेक्ट्रेट के समीप मोहम्मद काजुद्दीन के नैनो डीएपी आधारित प्रदर्शन प्रक्षेत्र में ड्रोन के माध्यम से नैनो डीएपी, नैनो यूरिया, सागरिका और नैनो जिंक का सजीव छिड़काव रहा, जिसे देखकर किसान उत्साहित नजर आए। इस अवसर पर किसान नेताओं को नैनो डीएपी, नैनो यूरिया और नैनो जिंक की प्रदर्शन किट प्रदान की गई, ताकि वे अन्य किसानों तक इसका संदेश पहुंचा सकें। किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष राम सिंह राही को उप कृषि निदेशक राजकुमार एवं जिला कृषि अधिकारी द्वारा किट सौंपे जाने पर उन्होंने आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि यह नैनो तकनीक क्षेत्र की खेती को नई दिशा देगी।

मानचित्र का सवाल, फ्रैक्चर का जवाब- चित्रकूट में शिक्षक-छात्र विवाद ने लिया हिंसक रूप

- माफी मांगने पहुंचे शिक्षक, गैराज में बंद कर रॉड से पीटे गए
- छात्र की पिटाई से भड़का बवाल

चित्रकूट। जिले में शिक्षा का मंदिर अचानक हिंसा का अखाड़ा बन गया, जहां एक छात्र की पिटाई से शुरू हुआ विवाद अब शिक्षक और परिजनों के बीच खून-खराबे तक जा पहुंचा। कर्वी कोतवाली क्षेत्र के शंकर बाजार स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल इंटर कॉलेज चकमाली में कक्षा 10 के छात्र अमर सिंह से मानचित्र से जुड़ा सवाल पूछा गया। जवाब न दे पाने पर शिक्षक कार्तिकेय सिंह ने कथित रूप से उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे छात्र के हाथ में फ्रैक्चर हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में आक्रोश फूट पड़ा। विद्यालय प्रबंधन के दबाव में शिक्षक कार्तिकेय सिंह अपनी बहन के साथ छात्र के घर माफी मांगने पहुंचे, लेकिन हालात ने उस वक्त खतरनाक मोड़ ले लिया जब आरोप है कि अमर के परिजनों ने दोनों को घर के गैराज में बंद कर रॉड और जैक से पीट दिया। इस हमले में शिक्षक और उनकी बहन को गंभीर अंदरूनी चोटें आईं। पीड़ित पक्ष का कहना है कि वे केवल माफी मांगने गए थे, जबकि कर्वी कोतवाली प्रभारी ने बताया कि मामले में दोनों पक्षों की तहरीर प्राप्त हुई है। पुलिस मेडिकल रिपोर्ट और बयानों के आधार पर जांच कर आगे की कार्रवाई करेगी।

कलेक्ट्रेट में गूंजा किसानों का दर्द, अफसरों को मिले सख्त अल्टीमेटम

- बीमा भुगतान से बंदर आतंक तक

चित्रकूट। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किसान दिवस इस बार केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जवाबदेही की कसौटी बनकर सामने आया। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में हुई बैठक में दूर-दराज से आए किसानों ने बिजली आपूर्ति, चकबंदी, नाला सफाई, नहर-लघु सिंचाई, ट्रांसफार्मर मरम्मत और बंदरों के आतंक जैसी जमीनी समस्याएं खुलकर रखीं। जिलाधिकारी ने साफ लहजे में कहा कि शिकायतों का निस्तारण कागजी खानापूर्ति नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण समाधान के साथ होगा। रेलवे से जुड़ी सड़कों के मामलों में उन्होंने किसानों को डीआरएम प्रयागराज से सीधे संवाद की सलाह दी। फसल बीमा को लेकर बीमा कंपनियों को त्वरित भुगतान के सख्त निर्देश दिए गए, वहीं लाभार्थियों की सूची ऑनलाइन सार्वजनिक करने से पारदर्शिता का संदेश दिया गया। पंचायत भवनों में सचिव-लेखपाल की अनुपस्थिति पर रोस्टर की जानकारी देते हुए जिलाधिकारी ने चेताया कि निस्तारित मामलों का रैंडम फीडबैक लिया जाएगा और लापरवाही पर कार्रवाई तय है। बैठक में कृषि व अन्य विभागों के अधिकारी और किसान संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर चित्रकूट का जलवा, बीएलओ और सुपरवाइजर सम्मानित

चित्रकूट। राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2026 पर चित्रकूट जनपद का नाम राज्य स्तर पर गूंज उठा। उप जिलाधिकारी कर्वी व निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 236-चित्रकूट पूजा साहू (आईएएस) ने बताया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के दौरान उत्कृष्ट कार्य के लिए मतदेय स्थल भाग संख्या-404 प्राथमिक विद्यालय कुशवाहा बस्ती, सीतापुर रूरल की बीएलओ डॉ सुमन मिश्रा तथा मतदेय स्थल संख्या-398 से 411 के सुपरवाइजर विद्यासागर, संग्रह अमीन तहसील कर्वी को राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के बीच अन्य बीएलओ व सुपरवाइजरों को शेष पुनरीक्षण कार्यों को दृढ़ संकल्प व पूर्ण मनोयोग से पूरा करने के लिए प्रेरित किया गया।

कपड़ा व्यापारी के बेटे आयुष हत्याकांड पर अपना दल एस की संवेदना, पीड़ित परिवार से मुलाकात

- प्रशासन पर उठाए सवाल

अखंड भारत संदेश

कपड़ा व्यापारी के घर में शोक संवेदना देते अपना दल एस के कार्यकर्ता

चित्रकूट। जिले में कपड़ा व्यापारी के नौनिहाल बेटे आयुष केसरवानी की अपहरण के बाद हत्या की घटना ने पूरे जिले को गहरे शोक में डुबो दिया है। बरगढ़ थाना क्षेत्र के बरगढ़ मऊ कस्बे में रहने वाले कपड़ा व्यापारी अशोक केसरवानी के बेटे आयुष केसरवानी की बीते शुक्रवार को हुई निर्मम हत्या से हर वर्ग में आक्रोश और पीड़ा का माहौल है। यह घटना न केवल एक परिवार की त्रासदी है, बल्कि समाज में बढ़ती आपराधिक घटनाओं को लेकर चिंता भी बढ़ा रही है। हत्याकांड के बाद अपना दल एस ने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। पार्टी के जिला और प्रदेश स्तर के पदाधिकारी बरगढ़ मऊ पहुंचकर आयुष के परिजनों से मिले और उन्हें ढांढस बंधाया। इस दौरान जिलाध्यक्ष हेमराज सिंह, नाथूराम पटेल (प्रदेश महासचिव बौद्धिक मंच), केशव पटेल (प्रदेश महासचिव पंचायत मंच), महेंद्र पटेल (प्रदेश महासचिव विधि मंच), रेखा पटेल (प्रदेश सचिव महिला मंच), मनीष खंगार (जिला उपाध्यक्ष), मनोरमा सिंह (जिलाध्यक्ष महिला मंच) सहित कई प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे। पदाधिकारियों ने शोकाकुल परिवार को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि इस दुख की घड़ी में पार्टी परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने नौनिहाल आयुष की हत्या को बेहद दुखद और हृदयविदारक बताते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। साथ जिला प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल भी उठाए है। आयुष की हत्या से चित्रकूट जिले में शोक का माहौल बना हुआ है और लोग अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

जिले में वोटर लिस्ट पुनरीक्षण का लोकतांत्रिक महाअभियान

चित्रकूट। अपर जिलाधिकारी (वि/रा) एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी चित्रकूट चन्द्रशेखर की अध्यक्षता में मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण को लेकर एक अहम बैठक हुई, जिसमें लोकतंत्र की नींव को और मजबूत करने का संकल्प दोहराया गया। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के आधार पर जनपद की 236-चित्रकूट एवं 237-मानिकपुर विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूचियों का आलेख्य प्रकाशन 6 जनवरी से सभी मतदान केन्द्रों पर उपलब्ध है। 6 फरवरी 2026 तक दावे व आपत्तियां फार्म-6, 7, 8 के माध्यम से स्वीकार की जाएंगी। 31 जनवरी (शनिवार) को विशेष अभियान के तहत सभी बीएलओ बूथों पर सुबह 10:30 से शाम 4:30 बजे तक नामों का सत्यापन करेंगे, जबकि संत रविदास जयंती के कारण 1 फरवरी को अभियान स्थगित रहेगा। आयोग ने कोई मतदाता न छूटे के लक्ष्य के अनुरूप ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और प्रतिनिधि के माध्यम से सुनवाई की सुविधा देकर प्रक्रिया को सरल, सुलभ और समावेशी बनाया है।

श्रमिकों का बड़ा पंजीयन अभियान, 15 मार्च तक पंजीयन लक्ष्य

चित्रकूट। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बुध्वार को आयोजित विशेष बैठक में प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत असंगठित कर्मकारों के पंजीयन को लेकर कड़ा निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि 10,000 के लक्ष्य के अनुरूप 15 मार्च तक पंजीयन पूरा होना अनिवार्य है।

कुर्द-नेतृत्व के बीच संघर्ष विराम 15 और दिनों के लिए बढ़ाया गया

सीरिया

सीरिया सरकार और कुर्द-नेतृत्व वाले लड़ाकों के बीच चार दिनों के संघर्षविराम की अवधि शनिवार को समाप्त होने के कुछ ही घंटों बाद सीरियाई रक्षा मंत्रालय ने इसे 15 दिनों के लिए और बढ़ाने की घोषणा की।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह विस्तार अमेरिकी बलों द्वारा उत्तरपूर्वी सीरिया की जेलों में बंद इस्लामिक स्टेट (आईएस) के आतंकवादियों को इराक के हिरासत केंद्रों में स्थानांतरित करने के अभियान के समर्थन में किया गया है।

कुर्द-नेतृत्व वाली सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज (एसडीएफ) की ओर से इस पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आयी है। बीते तीन हफ्तों में सरकारी बलों और एसडीएफ के बीच भीषण झड़पें हुई हैं, जिनमें एसडीएफ ने अपने पहले नियंत्रित कई इलाकों का बड़ा हिस्सा खो दिया है।

सीरिया सरकार और कुर्द लड़ाकों के बीच चार दिन का संघर्षविराम शनिवार शाम को समाप्त हो गया। इस संघर्षविराम की घोषणा मंगलवार को की गयी थी। यह ऐसे समय में खत्म हुआ जब सरकारी बल देश के उत्तरपूर्वी हिस्से में अतिरिक्त सैन्य टुकड़ियां भेज रहे थे।

पिछले तीन हफ्तों में हुए भीषण संघर्षों में कुर्द-नेतृत्व वाली और अमेरिका समर्थित एसडीएफ ने अपने नियंत्रण वाले बड़े क्षेत्र गंवा दिए हैं। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी ह्यसनाह्न ने पहले एक अज्ञात सरकारी अधिकारी के हवाले से बताया था कि संघर्षविराम समाप्त हो चुका है और सरकार अपने विकल्पों पर विचार कर रही है।

शनिवार को सरकारी टीवी ने बताया कि अधिकारियों ने उत्तरी शहर रक्का के पास स्थित अल-अक्तान जेल से 18 वर्ष से कम उम्र के 126 लड़कों को रिहा किया। रक्का पर शुक्रवार को सरकारी बलों ने कब्जा कर लिया था।

टीवी चैनल के अनुसार, इन किशोरों को रक्का शहर ले जाया गया, जहां उन्हें उनके परिवारों को सौंप दिया गया।

इस सप्ताह की शुरूआत में अमेरिकी सेना ने कहा था कि करीब 7,000 इस्लामिक स्टेट बंदियों को पड़ोसी इराक के हिरासत केंद्रों में स्थानांतरित किया जाएगा। बुधवार को अमेरिकी सेना ने बताया कि 150 कैदियों को इराक भेजा जा चुका है।

कनाडा में भारतीय की हत्या

कनाडा

कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के बनार्बी शहर में भारतीय मूल के एक 28 वर्षीय युवक की सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी गई। कनाडाई पुलिस के अनुसार, यह एक 'टारगेटेड शूटिंग' थी, जिसका सीधा संबंध वहां चल रहे गैंग वॉर से होने का संदेह है।

सार्वजनिक स्थान पर गोलीबारी

रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने बताया कि यह घटना 22 जनवरी को शाम करीब 5:30 बजे कनाडा वे के पास हुई। पुलिस को घटनास्थल पर एक युवक गंभीर रूप से घायल मिला, जिसकी अस्पताल ले जाने से पहले ही मौत हो गई। जांच टीम ने मृतक की पहचान वैंकूवर निवासी दिलराज सिंह गिल के रूप में की है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, गिल पहले से ही अधिकारियों की नजर में थे।

जली हुई गाड़ी ने खोले राज

शूटिंग के कुछ ही मिनटों बाद, घटनास्थल से कई किलोमीटर दूर बक्सटन स्ट्रीट पर पुलिस को एक गाड़ी पूरी तरह से जली हुई मिली।

जांचकताओं का मानना है कि हमलावरों ने इसी गाड़ी का इस्तेमाल किया था और सबूत मिटाने के लिए वारदात के बाद इसे आग के हवाले कर दिया। फोरेंसिक टीम अब दोनों जगहों से सबूत इकट्ठा कर रही है।

पुलिस की अपील

जांच टीम की सार्जेंट फ्रेड फोंग ने कहा कि सार्वजनिक जगह पर इस तरह की गोलीबारी से स्थानीय लोग काफी डरे हुए हैं। उन्होंने इसे समुदाय के लिए एक गंभीर सुरक्षा चिंता बताया है। पुलिस अब गवाहों की तलाश कर रही है और उस इलाके से गुजरने वाले लोगों से डैशकैम या सीसीटीवी फुटेज साझा करने की अपील की है।

अधिकारियों ने 22 जनवरी की शाम 5:00 से 6:30 बजे के बीच के वीडियो साक्ष्य मांगे हैं ताकि दोषियों तक पहुंचा जा सके।

पुलिस का कहना है कि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, मामले में और भी खुलासे किए जाएंगे।

आव्रजन कार्रवाई के बीच संघीय अधिकारियों ने एक व्यक्ति को गोली मारी

अमेरिका

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की आव्रजन संबंधी कार्रवाई के बीच मिनियापोलिस में संघीय अधिकारियों ने एक व्यक्ति को गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। हाल में भी इसी तरह की कार्रवाई के कारण गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने शहर की सड़क पर उतरकर विरोध जताया।

गोलीबारी से जुड़ा विस्तृत विवरण तत्काल पता नहीं चल सका है। हालांकि, मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज ने बताया कि ट्रंप प्रशासन की आव्रजन संबंधी कार्रवाई के दौरान उस व्यक्ति को गोली मारी गई थी। अस्पताल के रिकॉर्ड से पता चलता है कि आव्रजन अधिकारियों द्वारा गोली मारे गए 51 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई है।

इस बीच, सुरक्षा विभाग के एक प्रवक्ता ने दावा किया कि मारे गए व्यक्ति के पास हथियार और कारतूस थे। वाल्ज ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि गोलीबारी के बाद उन्होंने व्हाइट हाउस से संपर्क किया।

महिला को बचाने आए एलेक्स जेफरी प्रेटी की हत्या

मिनियापोलिस

मिनियापोलिस में एक इमिग्रेशन ऑपरेशन के दौरान फेडरल अधिकारियों द्वारा 37 साल के एलेक्स जेफरी प्रेटी को गोली मारने की घटना ने शहर में गुस्से को और भड़का दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में इस घटना के हैरान करने वाले दृश्य सामने आए हैं।

फुटेज में देखा जा सकता है कि जब पास में प्रदर्शनकारी मौजूद थे, तभी लगभग छह फेडरल एजेंटों ने प्रेटी को घेरकर जमीन पर गिरा दिया। वीडियो रिकॉर्ड कर रही एक महिला को सदमे में चिल्लाते हुए सुना जा सकता है क्योंकि स्थिति तेजी से हिंसक हो गई थी।

वीडियो के अनुसार, हाथापाई के दौरान एक अधिकारी ने प्रेटी की बंदूक छीन ली और फिर उस पर एक दर्जन से ज्यादा गोलियां चला दीं। गोलीबारी के बाद प्रेटी जमीन पर बेजान पड़ा रहा, जबकि अधिकारी बंदूक ताने पीछे हट गए और फिर धीरे-धीरे उसके पास आए।

एक अन्य वीडियो में दिख रहा है कि प्रेटी उस महिला की मदद करने की कोशिश कर रहा था जिसे एक अधिकारी ने जमीन पर धक्का दिया था। एजेंटों ने उन पर आंसू गैस का स्प्रे किया और फिर प्रेटी को खींचकर नीचे पटक दिया। जैसे ही एक एजेंट ने उसकी बंदूक छीनी, उसके कुछ ही सेकंड बाद जानलेवा गोलियां चलने की आवाजें सुनाई दीं।

इस घटना पर सफाई देते हुए डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी की प्रवक्ता ट्रिशिया मैकलग्लिन ने कहा कि अधिकारी

ट्रंप प्रशासन के इमिग्रेशन अभियान के तहत काम कर रहे थे। उन्होंने दावा किया कि प्रेटी ने हथियार के साथ विरोध किया और अधिकारियों ने आत्मरक्षा में गोलियां चलाईं। हालांकि, ओ'हारा ने बताया कि पुलिस के अनुसार प्रेटी एक लाइसेंस धारक बंदूक मालिक था जिसके पास हथियार रखने का परमिट था।

मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज ने इस घटना पर कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से इस इमिग्रेशन ऑपरेशन को तुरंत रोकने और अधिकारियों को मिनेसोटा से बाहर निकालने की मांग की है।

यह घटना ट्विन सिटीज में चल रहे उन विरोध प्रदर्शनों के बीच हुई है जो 7 जनवरी को रेनी गुड की हत्या के बाद से जारी हैं। शनिवार की यह गोलीबारी उसी जगह के पास हुई जहां रेनी गुड को एक इमिग्रेशन अधिकारी ने गोली मारी थी।

वैश्विक अर्थव्यवस्था का सरदार कैसे बना अमेरिका

अमेरिका

किसी भी देश की इकोनॉमी को पता करने के लिए सबसे बड़ा पैमाना जीडीपी होती है। यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के साथ ही सबसे रईस देश भी है। साल 1960 से लेकर 2023 तक यूएस ने अपनी इस खिताब को सहेज कर रखा है। इसकी अर्थव्यवस्था सेवाओं, विनिर्माण, वित्त और प्रौद्योगिकी सहित कई दूसरे महत्वपूर्ण सेक्टरों द्वारा संचालित होती है और काफी विविध है। वॉशिंगटन में लिए गए नीतिगत फैसले, वॉल स्ट्रीट की गतिविधियाँ और सिलिकॉन वैली में होने वाले नवाचार अक्सर पूरी दुनिया को प्रभावित करते हैं। चाहे ये देश विकसित हो या फिर विकाशील। अमेरिका की आर्थिक ताकत का एक बड़ा आधार उसका मजबूत उपभोक्ता बाजार है। अमेरिका दुनिया के सबसे बड़े आयातकों में से एक है, जो एशिया, यूरोप, लैटिन अमेरिका और अफ्रीका जैसे क्षेत्रों के देशों से बड़ी मात्रा में सामान और सेवाएँ खरीदता है। कई देशों की अर्थव्यवस्था, रोजगार और उद्योगों की वृद्धि काफी हद तक अमेरिकी बाजार तक पहुँच पर निर्भर करती है। इसलिए अमेरिका की मांग और नीतियाँ वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बहुत मायने रखती हैं।

अमेरिका समझ चुका था कि डॉलर में बहुत ताकत है, लेकिन वह इसे सिर्फ अपने देश तक सीमित नहीं रखना चाहता था। लक्ष्य था कि दुनिया में हर बड़ा व्यापार डॉलर में हो। अमेरिकी डॉलर का दुनिया की मुख्य रिजर्व मुद्रा होना, अमेरिका की वैश्विक आर्थिक ताकत को और मजबूत बनाता है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार, तेल और सोने जैसी वस्तुओं की खरीद-फरोख्त और ज्यादातर वैश्विक वित्तीय लेन-देन अमेरिकी डॉलर में ही होते हैं। इससे अमेरिका की वित्तीय व्यवस्था, खासकर फेडरल रिजर्व, दुनिया भर में धन की उपलब्धता, ब्याज दरों और आर्थिक स्थिरता के लिए बेहद अहम बन जाती है।

नेतन्याहू से गाजा युद्धविराम के दूसरे चरण की ओर बढ़ने का आग्रह किया

इजराइल

अमेरिका के शीर्ष दूतों ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से शनिवार को मुलाकात की और उनकी सरकार से गाजा में युद्धविराम के दूसरे चरण की ओर आगे बढ़ने का आग्रह किया।

इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, नेतन्याहू ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद एवं पश्चिम एशिया मामलों के सलाहकार जेरेड कुशनर से मुलाकात की लेकिन कार्यालय ने इस बैठक का विस्तृत विवरण नहीं दिया।

अमेरिका के एक अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर संवाददाताओं से कहा कि दूत गाजा में

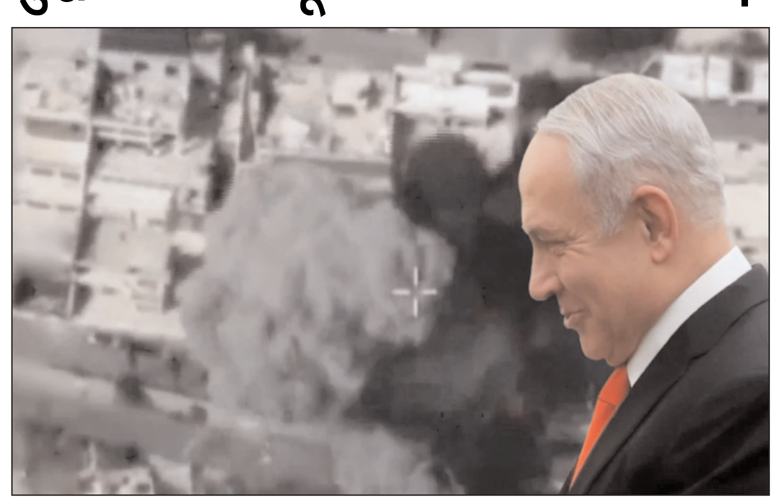

बंधकों के शेष अवशेषों की बरामदगी और क्षेत्र के विसैन्यीकरण संबंधी अगले कदमों पर नेतन्याहू के साथ मिलकर निकटता से काम कर रहे हैं।

अमेरिका ट्रंप की मध्यस्थता से हुए समझौते को आगे बढ़ाए रखने को आतुर है लेकिन नेतन्याहू पर हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों के अवशेष लौटाए जाने तक ऐसा नहीं करने का दबाव है। दूसरे चरण का सबसे बड़ा संकेत गाजा और मिस्र के बीच रफाह सीमा चौकी का फिर से खुलना होगा।

इजराइल रविवार को मंत्रिमंडल की बैठक में रफाह सीमा चौकी खोलने के विषय पर संभवतः चर्चा करेगा।

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, युद्धविराम के बाद से इजराइली गोलीबारी में 480 से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके हैं।

नरसिंगदी में युवक को जिंदा जलाया, सुरक्षा पर उठे गंभीर सवाल

बांग्लादेश

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। हाल ही में, ढाका से करीब 50 किलोमीटर दूर नरसिंगदी शहर में एक 23 साल के हिंदू युवक को सोते समय जिंदा जला दिया गया। इस घटना ने मुस्लिम-बहुल देश में अल्पसंख्यक आबादी की सुरक्षा पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मृतक की पहचान चंचल चंद्र भौमिक के रूप में हुई है, जो नरसिंगदी पुलिस लाइंस के पास एक गैरेज में काम करते थे।

घटना के बारे में

यह दुखद घटना शुक्रवार रात की है। काम के बाद थके हुए भौमिक गैरेज के अंदर ही सो गए थे। इसी दौरान कुछ अज्ञात हमलावरों ने गैरेज में आग लगा दी। गैरेज में पेट्रोल और इंजन ऑयल जैसे ज्वलनशील पदार्थ होने के कारण आग तुरंत फैल गई, जिससे भौमिक की दम घुटने और जलने से मौत हो गई। सीसीटीवी फुटेज में हमलावरों को आग लगाते हुए देखा गया है, जिसे स्थानीय लोग एक सोची-समझी हत्या बता रहे हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और अपराधियों की तलाश जारी है।

क्यों बढ़ रहे हिंदुओं पर हमले

2022 की जनगणना के अनुसार, बांग्लादेश में लगभग 1.31 करोड़ हिंदू रहते हैं, जो कुल आबादी का करीब 7.95 प्रतिशत हैं। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद से बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के दर्जनों मामले सामने आए हैं। भारत ने भी पड़ोसी देश में बढ़ते उग्रवाद और हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर कई बार अपनी गहरी चिंता व्यक्त की है।

पहले की घटनाएं

पिछले कुछ समय में हिंसा की यह कोई अकेली घटना नहीं है। महज एक हफ्ते पहले गाजीपुर में एक हिंदू मिठाई दुकान मालिक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी,

जब वे अपने कर्मचारी को बचाने की कोशिश कर रहे थे। उसी सप्ताह सिलहट में एक हिंदू के घर को आग के हवाले कर दिया गया और फेनी जिले में एक हिंदू ऑटो-रिक्शा चालक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। ये लगातार होती घटनाएं वहां रह रहे अल्पसंख्यकों के बीच डर का माहौल पैदा कर रही हैं।

कैसे तय होती है रुपये के मुकाबले डॉलर की कीमत

अमेरिका

हेडलाइंस हमें हमेशा देखने को मिलती है जहां लिखा होता है कि रुपए की कीमत बढ़ी या घटी है। लेकिन इसका मतलब क्या हुआ जब कोई यह कहता है कि आज रुपए की कीमत गिर गई है या बढ़ गई है। यह घटना और बढ़ना कौन और कैसे डिसाइड किया जाता है और डॉलर की ही तुलना इंडियन करेंसी से क्यों की जाती है और इससे हम आम जनता के पॉकेट पर क्या असर पड़ता है। 1947 में जब भारत आजाद हुआ तो एक डॉलर 3.3 रुपए का था। आज वही डॉलर 90 रुपए का हो गया है। हो सकता है भविष्य में एक डॉलर की वैल्यू 100 रुपए हो जाए।

आज से हजारों साल पहले करेंसी नहीं होती थी। उस टाइम पर लोग बाटर सिस्टम करते थे। मतलब किसी के पास अगर टमाटर है और उसे चावल की जरूरत है तो जिसके पास चावल हैं। उसको टमाटर देकर चावल ले लिया। इसी तरह अपनी जरूरत के हिसाब से लोग गुड्स एंड सर्विसेज को एक्सचेंज करते थे। लेकिन इस बाटर सिस्टम में छोटे मोटे लेन देन तो ठीक थे। लेकिन जब व्यापक स्तर पर लेन देन करना होता था ।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा

बफीर्ले तूफान की वजह से करीब 10 हजार उड़ानें रद्द

अमेरिका

अमेरिका में बफीर्ले तूफान की वजह से सप्ताहांत के दौरान करीब 10,000 उड़ानें रद्द कर दी गईं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। तूफान की वजह से देश के अधिकांश हिस्सों में भारी तबाही होने की आशंका है और कई दिनों तक बिजली गुल रहने और प्रमुख सड़कों पर यातायात बाधित होने का खतरा पैदा हो गया है।

राष्ट्रीय मौसम सेवा केंद्र के पूवार्नुमान के मुताबिक, न्यू मैक्सिको से लेकर न्यू इंग्लैंड तक लगभग 14 करोड़ लोगों के शीतकालीन तूफान से प्रभावित होने की आशंका है। पूर्वी टेक्सास से उत्तरी कैरोलिना तक के क्षेत्र में भारी बर्फबारी की चेतावनी दी गई है।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि विशेष रूप से बर्फ से प्रभावित क्षेत्रों में होने वाला नुकसान तूफान के बराबर हो सकता है। ह्यफोर्ट वर्थह्न स्थित राष्ट्रीय मौसम सेवा केंद्र ने बताया कि शनिवार को उत्तरी टेक्सास में रात भर बर्फबारी हुई।

राष्ट्रीय मौसम सेवा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट में बताया, ह्यह्यक्षेत्र में खतरनाक रूप से ठंडी हवाएं चल रही हैं और यह स्थिति सोमवार तक बनी रहेगी। अगले कुछ दिनों तक रात का तापमान ज्यादातर एक अंकों में रहेगा, और हवा में ठंडक की वजह से प्रभाव शून्य से 24 डिग्री सेल्सियस नीचे तक महसूस हो सकती है।

ओकलाहोमा में बर्फ और ओले गिरना

जारी है। मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है कि दक्षिण से गुजरने के बाद, तूफान के उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ने की आशंका है, जिससे वाशिंगटन से लेकर न्यूयॉर्क और बोस्टन तक लगभग एक फुट या 30 सेंटीमीटर तक बर्फबारी होने की संभावना है। उसने बताया कि कई दिनों की भारी बर्फबारी के बाद, ग्रामीण लुईस काउंटी और न्यूयॉर्क के अन्य उत्तरी हिस्सों में भोर से ठीक पहले तापमान शून्य से 34 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया।

अमेरिका के एक दर्जन से अधिक राज्यों के गवर्नर ने आने वाले तूफानी मौसम को लेकर चेतावनी जारी की, आपातकाल की घोषणा की या लोगों से घर में ही रहने की अपील की।

टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्न पर कहा कि राज्य का परिवहन विभाग सड़कों से बर्फ हटाने का प्रयास कर रहा है, इसलिए लोग ह्यह्ययथासंभव घर पर ही रहें।

उड़ानों पर नजर रखने वाली वेबसाइट ह्यफ्लाइटअवेयरह्न के अनुसार, शनिवार को 3,800 से अधिक उड़ानों में देरी हुई या उन्हें रद्द करना पड़ा। इसी प्रकार रविवार के लिए लगभग 7,000 उड़ानें रद्द कर दी गई हैं।

अमेरिका की संघीय सरकार ने संभावित आपात स्थिति के लिए करीब 30 खोज और बचाव दल तैयार रखे हैं। संघीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी (एफईएमए) के अनुसार, अधिकारियों ने तूफान के संभावित क्षेत्र में 70 लाख से अधिक भोजन सामग्री, छह लाख कंबल और 300 जनरेटर उपलब्ध कराए हैं।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि उनका प्रशासन स्थिति से निपटने के लिए राज्य और स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा है।